

दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन, आरबीसी बनी चैंपियन



कुल्दी : कुल्दी के 66 नंबर वाई स्थित मुरली नगर कमेटी द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया और सभी टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन, अनुशासन, मेहनत एवं खेल भावना का परिचय दिया.इस टूर्नामेंट के मुख्य आयोजक संजय साह, कन्हैया यादव, सुमीत भगत, राजू साह, प्रणव भुईया एवं नूनी बाजरी रहे, जिनके प्रयासों से यह खेल प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबला,सेमीफाइनल मुकाबले में राची ग्राम और मुरली नगर जूनियर कमेटी की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया. वहीं, फाइनल मुकाबले में आरबीसी टीम एवं प्रिंस इलेवन, राची ग्राम के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिला. दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीते के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. अंततः आरबीसी टीम ने शानदार जीत दर्ज कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि प्रिंस इलेवन, राची ग्राम उपविजेता रहा.पुरस्कार वितरण एवं सम्मान,इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दशरथ यादव, अजीत तांती, बबलू साह एवं अमृत साह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे.पुरस्कार वितरण समारोह में:विजेता कप:अजीत तांती द्वारा प्रदान किया गया.उपविजेता कप: दशरथ यादव द्वारा प्रदान किया गया.तीसरा पुरस्कार:अमृत साह द्वारा प्रदान किया गया.बेस्ट प्लेयर अवार्ड: बबलू साह द्वारा प्रदान किया गया.मैन ऑफ द मैच: रूपेश हाडी को सम्मानित किया गया.बेस्ट रेफरी: राजा पासवान एवं शंकर हाडी रहे. आयोजकों ने कहा कि खेल प्रतियोगिता केवल जीत और हार तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आपसी भाईचारे, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व कौशल को भी मजबूत बनाती है. ऐसे आयोजन ग्रामीण एवं स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देते हैं, और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करते हैं.

एनजेपी स्टेशन पर आग्रेयास्त्र के साथ बिहार के दो युवक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : ट्रेन के जरिए हथियारों की तस्करी की कोशिश को एनजेपी स्टेशन पर रेलवे पुलिस ने नाकाम कर दिया है. संयुक्त अभियान चलाकर पुलिस ने विवेक एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे में तलाशी के दौरान बिहार के दो युवकों को आग्रेयास्त्र के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपितों की पहचान रोहन कुमार (20) और गुड्डू कुमार (19) के रूप में हुई है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, रविवार देर रात सिलीगुड़ी जीआरपी के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और एनजेपी जीआरपी की पुलिस ने अभियान चलाया. इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर छह पर पहुंची डाउन विवेक एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे में तलाशी ली गई. संदेह के आधार पर दोनों युवकों को हिरासत में लेकर उनके स्कूल बैग की तलाशी ली गई, जिसमें आग्रेयास्त्र बरामद हुए.एनजेपी जीआरपी आज दोनों आरोपितों को जलपाईगुड़ी अदालत में पेश कर रिमांड की मांग करेगी.

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

मालदा : लक्ष्मी पूजा का मेला देखकर घर लौटने के दौरान हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. यह दुर्घटना मालदा जिले के हबीबपुर थाना क्षेत्र के केंद्रपुकर हाईस्कूल के पास हुईपुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतकों की पहचान रहाम बर्मन और सुजय बर्मन के रूप में हुई है. दोनों हबीबपुर ब्लॉक के कानुनका सिंगा गांव के निवासी थे. दुर्घटना में घायल तीसरे युवक का इलाज मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में चल रहा है.स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, रविवार देर रात तीनों युवक एक बाइक पर सवार होकर लक्ष्मी पूजा का मेला देखकर घर लौट रहे थे.

रिसड़ा में यूनाइटेड वेजिटेबल मैदान की जमीन बेचने के आरोप में 11 लोगों पर एफआईआर



हुगली : रिसड़ इस्टेशन के समीप स्थित यूनाइटेड वेजिटेबल मैदान की करीब 89 कट्ठा जमीन कथित तौर पर फर्जी तरीके से बेचने के मामले में श्रीरामपुर थाने की पुलिस ने जांच तेज कर दी है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. वहीं, मोहम्मद जलील हक उर्फ जांग नामक एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है. उसे पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है.मामले पर सोमवार को प्रतिक्रिया देते हुए राज्य मंत्री पीएचई और श्रम विभाग मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में सरकारी जमीन को कथित तौर पर फर्जी तरीके से बेचने के आरोप लगे हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा.श्रीरामपुर सांगठनिक जिला भाजपा अध्यक्ष शशि सिंह ने भी मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की. उन्होंने कहा कि यदि कोई इस मामले में सीधे तौर पर शामिल है, तो पुलिस को उसके खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए. साथ ही, जमीन की कथित फर्जी बिक्री में किसी भी प्रकार की सहायता करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए.वहीं, हुगली सांगठनिक जिला तुणमूल कांग्रेस अध्यक्ष अश्वत्थ मजूमदार ने कहा कि तुणमूल कांग्रेस किसी भी अपराध करने वाले व्यक्ति के साथ नहीं है. यदि किसी ने गलत काम किया है, तो उसे सजा देने के लिए कानून मौजूद है. उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है.फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है. जांच के बाद ही जमीन की कथित फर्जी बिक्री में शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी.

मुंबई में फंदे से लटका मिला दुर्गापुर के युवक का शव, परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

दुर्गापुर : मुंबई के कारखाने में दुर्गापुर के युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिलने से सनसनी फैल गई. मृतक का नाम विश्व दे (20) है, जो कांकासा थाना क्षेत्र के बिरुडीहा का निवासी है. घटना की सूचना मिलने के बाद परिवार में मातम पसरा है. परिवार के सदस्य विश्व की मौत को आत्महत्या मानने को तैयार नहीं हैं.प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण विश्व रोजगार की तलाश में काम करता था. वह वरली इलाके की एक फैक्ट्री में फैब्रिकेशन वेलेंडिंग का काम करता था. सोमवार सुबह कारखाने में उसका शव फंदे से लटका हुआ मिला. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया. मुंबई पुलिस ने फोन के माध्यम से दुर्गापुर में रह रहे परिजनों को घटना की सूचना दी. मृतक के चाचा मदन दे ने आरोप लगाया कि जिस ठेकेदार के माध्यम से विश्व काम करने मुंबई गया था, उससे संपर्क करने पर कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया. परिवार ने स्थानीय प्रशासन को ई-मेत के जरिए मामले की जानकारी देने की बात भी कही है.उनका आरोप है कि उसकी हत्या करने के बाद शव को फंदे से लटकाया गया हो सकता है. परिजनों के अनुसार, शव की तत्वीर देखने के बाद उनकी आशंका और गहरी हो गई है. उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है.

बंगाल व अन्य सर्दी शुरु होने से पहले ही दमघौंटू हुई कोलकाता की हवा

कोलकाता : कोलकाता में अभी सर्दी ने दस्तक भी नहीं दी है, लेकिन हवा में प्रदूषण की मात्रा सालाना निर्धारित सीमा को पार कर चुकी है.सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के अनुसार, महानगर में गत 16 अक्टूबर तक पीएम 10 का औसत स्तर 76 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा. पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 72 माइक्रोग्राम था यानी एक साल में प्रदूषण के स्तर में करीब छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

यह स्थिति पिछले कुछ वर्षों में प्रदूषण के स्तर में दर्ज सुधार के उलट है.यह वार्षिक राष्ट्रीय मानक 60



पीएम10 का स्तर हुआ खतरनाक

माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से भी काफी अधिक है. कोलकाता पहले ही देश के शीर्ष 10 प्रदूषित शहरों में

शामिल है.सोमवार सुबह कोलकाता में पीएम 10 का स्तर 107 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज हुआ. आने वाले

दिनों में इसके धीरे-धीरे बढ़ने की आशंका है.

मालूम हो कि पीएम 10 हवा में मौजूद ऐसे सूक्ष्म कण हैं, जिनका व्यास 10 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है. ये सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकतकोलकाता का वायु गुणवत्ता सूचकांक भी लगातार बिगड़ता जा रहा है.

सोमवार सुबह यह 159 दर्ज हुआ, जो बेहद अस्वास्थ्यकर है. चिकित्सकों ने बिगड़ती परिस्थितियों को देखते हुए सांस व दिल की बीमारियों वालों को विशेष रूप से सावधान रहने की सलाह दी है.

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बावजूद हाशिए पर लेफ्ट-कांग्रेस

कोलकाता : बंगाल में सत्ता परिवर्तन और तुणमूल कांग्रेस के कमजोर पड़ने के बावजूद माकपा के नेतृत्व वाले वाममोर्चा और कांग्रेस की राजनीतिक हैसियत में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है. विधानसभा चुनाव में तुणमूल की करारी हार और उसके बाद पार्टी में हुई टूट ने विपक्ष के लिए जगह जरूर बनाई, लेकिन इस खालीपन को भरने में दोनों दल अब तक सफल नहीं हुए हैं.भाजपा राज्य की सत्ता पर काबिज है, जबकि तुणमूल विधानसभा में 80 सीटों के साथ प्रमुख विपक्षी दल है. ऐसे में वाममोर्चा और कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी खोई जमीन वापस पाने के साथ यह साबित करना है कि वे राज्य की राजनीति में अब भी प्रासंगिक हैं. चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, 2026 के विधानसभा



चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें जीतीं, जबकि 2021 में 215 सीटें जीतने वाली तुणमूल इस बार 80 पर सिमट गई. इसके बावजूद माकपा को महज एक और कांग्रेस को दो सीटें मिलीं. माकपा का मत प्रतिशत 4.45 और कांग्रेस का 2.97 प्रतिशत रहा. यानी तुणमूल के खिलाफ सत्ता-विरोधी माहौल का लाभ दोनों दलों को व्यापक स्तर पर नहीं मिला. भाजपा

ने इस राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा लाभ उठाया.

वामपंथी संगठन बंदेखली, हाकरों की आजीविका, संविदाकर्मियों की समस्याओं और कृषि संकट जैसे मुद्दों पर आंदोलन कर रहे हैं.

किसान सभा गांवों में संपर्क बढ़ाने और आलू संकट जैसे सवालों पर लोगों को संगठित करने की कोशिश में है.

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दान्तन थाना अंतर्गत कृष्णपुर इलाके में सोमवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक गृहवधू की मौत हो गई. मृतका की पहचान मिर्दा माइती (22) के रूप में हुई है. इस घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है.

साइकिल और मोटरबाइक स्टैंड को कब्जे से मुक्त कराया

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के मेदिनीपुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित साइकिल और मोटरबाइक स्टैंड को रेलवे ने लंबे समय से चल रहे कानूनी विवाद पर लगा था. आरोप है कि शेख सेराफत ने कई बार अदालत में मामला दायर कर स्थगन आदेश प्राप्त किया और स्टैंड का संचालन जारी रखा. तीन स्टैंडों में से नंबर दो स्टैंड कुछ वर्ष पहले ही निविदा के माध्यम से दूसरे ठेकेदार को सौंप दिया गया था. मुख्य

सूत्रों के अनुसार, साइकिल स्टैंड के ठेके की अवधि 31 मार्च 2014 को समाप्त हो गई थी. इसके बावजूद स्टैंड पर कब्जा बनाए रखने का आरोप लगा था. आरोप है कि शेख सेराफत ने कई बार अदालत में मामला दायर कर स्थगन आदेश प्राप्त किया और स्टैंड का संचालन जारी रखा. तीन स्टैंडों में से नंबर दो स्टैंड कुछ वर्ष पहले ही निविदा के माध्यम से दूसरे ठेकेदार को सौंप दिया गया था. मुख्य

विवाद नंबर एक और तीन स्टैंड को लेकर था.वहीं, शेख सेराफत ने दावा किया कि वह वर्ष 2001 से स्टैंड का संचालन कर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें केवल 24 घंटे पहले नोटिस देकर जबर्न हटा दिया गया. उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में अदालत में मुकदमा चल रहा है.रेलवे अनुसार न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए स्टैंड को कब्जे से मुक्त कराया गया है.

समोसा में कथित सांप के आरोप से हड़कंप

हुगली : जिले के चंडीतला इलाके में समोसा के भीतर कथित सांप मिलने के आरोप से जहां हड़कंप मच गया वहीं घटना पर विवाद खड़ा हो गया है. आरोप है कि, चंडीतला के आइया पांचमाथा मोड़ स्थित 'सत्यनारायण मिश्रान्न भंडार' से खरीदे गए समोसा में एक ग्राहक ने सांप के बच्चे जैसी दिखने वाली वस्तु मिलने का दावा किया था. इसके बाद मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया. यह दावा भी किया गया कि सिंगाड़ा खाने के बाद एक बुजुर्ग महिला की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा. हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है.



आरोपों को सिरे से खारिज किया है. उनका कहना है कि यह दुकान करीब चार दशक पुरानी है और इलाके में इसकी पहचान रही है. कारोबारियों के एक वर्ग ने आरोप लगाया कि दुकान की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जानबूझकर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है.इधर आज पश्चिम बंगाल मिश्रान्न व्यवसायी समिति के प्रतिनिधियों ने संबंधित दुकान के सामने विरोध जताया. समिति ने दावा किया कि पूरी घटना जानबूझकर की गई साजिश का हिस्सा है. साथ ही, संगठन ने आरोप लगाया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों

ने दुकान को गैरकानूनी तरीके से बंद रखा है. समिति ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि किसी की गलती सामने आती है, तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की. कारोबारियों का कहना है कि किसी भी दुकान के खिलाफ आरोप लगाने पर तथ्यों की जांच जरूरी है, ताकि दोष तय होने से पहले किसी प्रतिष्ठान की छवि और आजीविका को नुकसान न पहुंचे. आज हुए संवाददात सम्मेलन में पश्चिम बंगाल मिश्रान्न व्यवसायी समिति के सचिव संजीव बनिक,

कोषाध्यक्ष रामचंद्र घोष मंडल, हावड़ा एवं हुगली के अध्यक्ष रामचंद्र घोष तथा सचिव प्रसेनजीत घोष सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे. समिति और संबंधित दुकान के मालिक ने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप करने तथा पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कराने की मांग की. उनका कहना है कि जांच पारदर्शी होनी चाहिए और घटना से जुड़े सभी पक्षों की बात सुनी जानी चाहिए. फिलहाल इस मामले में समोसा के भीतर कथित रूप से मिली वस्तु, बुजुर्ग महिला की तबीयत बिगड़ने के दावे और दुकान को बंद रखने संबंधी आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है. खाद्य सुरक्षा विभाग की आधिकारिक जांच रिपोर्ट और संबंधित पक्षों के बयान सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी. मामले ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, उपभोक्ता सुरक्षा और कारोबारियों की प्रतिष्ठा से जुड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. अब देखना होगा कि प्रशासन जांच को किस निष्कर्ष तक पहुंचाता है और संबंधित पक्षों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई की जाती है.

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, फरार चल रहा आरोपी आशीष बोस गिरफ्तार 3 दिन के रिमांड पर

कुल्दी : रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवकों से लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप में लंबे समय को आखिरकार कुल्दी थाना अंतर्गत नियामतपुर फाडी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी छिपने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था, लेकिन पुलिस की तत्परता से वह ज्यादा दिन तक बच नहीं सका.नौकरी के नाम पर झंसा देकर वसुले लाखों.प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी आशीष बोस ने खुद को रेलवे में प्रभावशाली संपर्क

वाला व्यक्ति बताकर कई बेरोजगार युवकों को रेलवे में ग्रुप-डी और अन्य पदों पर नौकरी दिलाने का झंसा दिया था.पीड़ितों का आरोप है कि आरोपी ने प्रति व्यक्ति 2 से 5 लाख रुपये तक की मांग की थी. भरोसा दिलाने के लिए उसने फर्जी नियुक्ति पत्र, मेडिकल सित्तप और ट्रेनिंग लेटर तक दिखाए थे. युवकों ने अपने घर-परिवार से कर्ज लेकर, जमीन-जेवर बेचकर उसे पैसे दिए, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी न तो नौकरी मिली और न ही पैसे वापस किए गए.जब पीड़ितों ने पैसे वापस मांगने



शुरू किए तो आरोपी उन्हें धमकाने लगा, और अचानक फरार हो गया. इसके बाद पीड़ितों ने थाने में लिखित

शिकायत दर्ज कराई.लगातार बदल रहा था ठिकाना,शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच

बीजेपी कार्यकर्ता पर महिला से दुष्कर्म का आरोप, पुलिस ने शुरु की आरोपी की तलाश



नदिया : बंगाल के कृष्णानगर के कोतवाली पुलिस स्टेशन इलाके में एक महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या की कोशिश का मामला सामने आया है.आरोपित बीजेपी का कार्यकर्ता बताया जा रहा है. आरोप है कि आरोपित पीड़िता को कृष्णानगर दक्षिण विधानसभा के एमएलए के साथ फोटो दिखाकर धमकाता था.कोतवाली पुलिस स्टेशन में दुष्कर्म और हत्या की कोशिश के आरोप में केस दर्ज किया गया है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. शिकायत के मुताबिक, घटना शुक्रवार को हुई.आरोपित कोतवाली पुलिस स्टेशन इलाके में तीस साल की एक महिला के घर गया था. उस समय महिला का पति घर पर नहीं था. उसका नाबालिग बेटा दूसरे कमरे में था.पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह रात में घर की बालकनी में सो रही थी. आरोपित उनके घर की दीवार फांदकर घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म किया. बाद में जब वह इसकी शिकायत करने गई तो युवक ने उसके साथ मारपीट की. उसने कुछ लोगों के साथ घर पर हमला भी किया.स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, आरोपित पीड़िता का करीबी था. हालांकि, कुछ दिनों से उसके रिश्ते खराब हो गए थे. इसके बाद से ही उस आदमी ने महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया. पीड़िता के स्वजन का दावा है कि आरोपी युवक इलाके में प्रभावशाली है और सत्ताधारी पार्टी का कार्यकर्ता है.पीड़िता ने कहा कि बीजेपी विधायक की उस आदमी के साथ कई तस्वीरें हैं. वह मुझे डराने के लिए उन्हें दिखाता था. वह कहता था कि उसे कुछ नहीं होगा. पुलिस में शिकायत करने के बाद भी, उसके राजनीतिक प्रभाव के कारण कार्रवाई करने में देरी हो रही है.पुलिस सूत्रों के मुताबिक शिकायत के आधार पर दुष्कर्म और हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया है. जांच चल रही है. आरोपित की तलाश की जा रही है.

सदर अस्पताल में प्रसव के बाद 20 वर्षीय महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

साहिबगंज : सदर अस्पताल में प्रसव के बाद एक 20 वर्षीय महिला की मौत हो जाने से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई. घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया. परिजनों का कहना था कि यदि महिला की हालत गंभीर थी, तो उन्हें समय रहते इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी, ताकि बेहतर इलाज के लिए उसे किसी बड़े अस्पताल में ले जाया जा सके. वहीं, अस्पताल प्रशासन ने महिला की अचानक तबीयत बिगड़ने को मौत का कारण बताया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल के उपाधीक्षक (डीएस) डॉ. देवेश कुमार ने जांच कराने की बात कही है.मृतका की पहचान गोड्डा थाना क्षेत्र के बसडीहा निवासी प्रमोद ठाकुर की पत्नी ममता ठाकुर के रूप में हुई है. बताया जाता है कि ममता का यह

पहला प्रसव था. शनिवार को डॉ. स्नेहलता की देखरेख में उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया. प्रसव के बाद नवजात की स्थिति ठीक नहीं होने की बात सामने आने पर उसे अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया. वहीं, प्रसूता ममता ठाकुर दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर उनका इलाज शुरू किया गया.देर रात बिगड़ी तबीयत, कुछ देर बाद मौत.परिजनों के अनुसार, रविवार की देर रात करीब 12 बजे के बाद ममता की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी. उनकी हालत लगातार गंभीर होती चली गई और कुछ ही समय बाद उनकी मौत हो गई.

प्रसव के बाद महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोगों में चिन्म-पुकार मच गई. नवजात के जन्म की खुशी का मत भुल गई. घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जाहिर की.

एमवे इंडिया का स्टोर नेटवर्क बढ़ाने पर जोर, 85 से अधिक स्टोर संचालित



जमशेदपुर : स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एमवे इंडिया ने देश के प्रमुख बाजारों में अपने स्टोर नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की है. कंपनी की यह पहल ग्राहकों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के बीच सहभागिता बढ़ाने तथा भारत में दीर्घकालिक विकास रणनीति को मजबूती देने के उद्देश्य से की गई है. इस विस्तार की शुरुआत एमवे के प्रेसिडेंट एवं सीओ माइकल नेल्सन ने गुरुग्राम में नए स्टोर और एक्सपेरियेंस सेंटर का उद्घाटन कर की. कंपनी ने पिछले वर्ष 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी, जिसका एक हिस्सा स्टोर नेटवर्क के विस्तार और मौजूदा केंद्रों के उन्नयन पर खर्च किया जाना था. माइकल नेल्सन ने कहा कि एमवे की वैश्विक विकास यात्रा में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है. भारतीय उपभोक्ताओं में स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को लेकर बढ़ती जागरूकता को देखते हुए कंपनी ऐसे केंद्र विकसित कर रही है, जहां ग्राहक उत्पादों को करीब से समझ सकें और डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ सीधे जुड़ सकें. एमवे इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर रजनीश चौपड़ा ने कहा कि कंपनी के स्टोर केवल बिक्री केंद्र नहीं, बल्कि ग्राहकों से जुड़ने और समुदाय विकसित करने के मंच हैं. कंपनी स्वास्थ्य, आर्थिक सशक्तिकरण और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. वर्तमान में एमवे इंडिया के देशभर में 85 से अधिक स्टोर हैं. पिछले कुछ महीनों में 14 से अधिक स्टोर खोले गए हैं या उनका नवीनीकरण किया गया है. इनमें पुणे, कोलकाता, सिलीगुड़ी, इम्फाल, भागलपुर, अहमदाबाद और आगरा जैसे शहर शामिल हैं. कंपनी अगले तीन से चार वर्षों में और स्टोर खोलने तथा मौजूदा केंद्रों को आधुनिक बनाने की योजना बना रही है. भारत में परिचालन के 30 वर्ष पूरे करने की ओर बढ़ रही एमवे का लक्ष्य डायरेक्ट सेलिंग नेटवर्क को मजबूत करना है.

शुरू की. जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ठगी के बाद से ही फरार है, और पुलिस से बचने के लिए कभी आसनसोल, कभी दुर्गापुर तो कभी झारखंड में अपने रिश्तेदारों के यहां छिप रहा था. वह अपना मोबाइल नंबर भी लगातार बदल रहा था.पुलिस ने बिछाया जाल और पकड़ा, आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने गुप्त सूचना तंत्र को सक्रिय किया. रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि आशीष बोस अपने घर के आसपास देखा गया है. सूचना मिलते ही पुलिस ने जाल

बिछाया.नियामतपुर फाडी प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी है. पुलिस को शक है कि इस ठगी के गिरोह में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश की जा रही है.इस गिरफ्तारी के बाद ठगी के और भी शिकार सामने आ रहे हैं. पुलिस ने अपील की है, कि यदि कोई अन्य व्यक्ति भी इसी तरह की ठगी का शिकार हुआ है, तो वह आगे आकर थाने में शिकायत दर्ज कराए.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | मंगलवार | 27 अक्टूबर 2026

दिव्यता के दिव्यांग

यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व वैंतीस रजत पदकों समेत कुल 11.4 पदक भारत की झोली में डाले. जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे. इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही. एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है. आईबी-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं. जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे. इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ख्वांगझू में आयोजित हुआ था. निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है. इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है. हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए. हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं. आईबी-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है. पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा. जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए. इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, टेराकी और तीरंदाजी में रही. वहीं निशानेबाजी, टेबल-टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते. इ-हीँ कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे. कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी. एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना. कहावत है कि ‘सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा’. कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है. खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है. हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दिव्यांगों का जीवन सहज-सरल हो सके. हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं कर पाए. देश के हर छोटे-बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें. साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय-सुविधामय हो सके.

प्रशिक्षण के इंतजार में क्यों खड़े हैं देश के भावी अफसर?



प्रतिवर्ष अगस्त और सितंबर का महीना लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में एक नई ऊर्जा लेकर आता है, लेकिन अब अक्टूबर गुजर रहा है और संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा के नवीनतम बैच का आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम अब तक शुरू नहीं हो सका है. अंतिम परिणाम घोषित होने के बावजूद, संकटों चयनित उम्मीदवार सेवा और संवर्ग आवंटन की राह देख रहे हैं. इस अभूतपूर्व देरी के केंद्र में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की प्रशासनिक उलझनें और आरक्षण नियमों, विशेषकर अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमी लेयर प्रधावनों से जुड़े उधरे कानूनी विवाद हैं. इस वर्तमान गतिरोध की मुख्य वजह कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा वर्ष 1993 के कार्यालय ज्ञापन और 2004 के स्पष्टीकरण पत्र का गलत प्रशासनिक अनुपालन है. मूल कार्यालय ज्ञापन स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रथम और द्वितीय श्रेणी के सरकारी कर्मचारियों के बच्चों के लिए क्रीमी लेयर का निर्धारण माता-पिता के पद और उनकी पदोन्नति की आयु के आधार पर होगा, न कि उनके वेतन के आधार पर. इसमें यह भी स्पष्ट किया गया था कि आय की गणना में वेतन और कृषि से होने वाली आय को नहीं जोड़ा जाएगा. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंकों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए विभाग और राजस्व अधिकारियों ने स्पष्टीकरण पत्र का सहारा लेकर लगातार गलतियां कीं. पदों की समानता तय न होने की आड़ में अधिकारियों ने इन कर्मचारियों के वेतन को अन्य आय के साथ जोड़कर कई मेधावी उम्मीदवारों को आरक्षण के लाभ से वंचित कर दिया.

इस अन्याय के खिलाफ मामला जब उच्चतम न्यायालय पहुंचा, तो अदालत ने 2026 में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सरकार को इस कार्रप्रणाली को असंवैधानिक और भेदभावपूर्ण करार दिया. न्यायालय ने स्पष्ट किया कि मूल ज्ञापन के तहत वेतन को सामाजिक उन्नति का एकमात्र पैमाना नहीं माना जा सकता. अदालत ने सरकार को छह महीने के भीतर प्रभावित उम्मीदवारों को समायोजित करने और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पद सृजित करने का निदेश दिया. वर्तमान में कार्मिक विभाग इसी फैसले के पेंच में उलझा है. हाल ही में केंद्र सरकार ने न्यायालय में एक याचिका दायर कर इस फैसले को पूर्वव्यापी के बजाय भविष्यवाही प्रभाव से लागू करने की मांग की है, ताकि पुरानी भर्तियों को फिर से खोलने से होने वाली प्रशासनिक अराजकता से बचा जा सके. जब तक इस पर न्यायालय का अंतिम आदेश नहीं आ जाता, तब तक नए बैच का सेवा आवंटन रुका हुआ है.

आरक्षण नियमों के गलत प्रयोग का यह विवाद कोई इकलौती घटना नहीं है, बल्कि यह भर्ती एंजेंसियों द्वारा आरक्षित वर्ग के मेधावी उम्मीदवारों को अनारक्षित श्रेणी में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया और कानूनों की जटिलताओं को न समझ पाने की एक बड़ी शृंखला का हिस्सा है. उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रांतीय सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम पर लगी रोक और राज्य का 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती मामला इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जहां मेधावी आरक्षित उम्मीदवारों को अनारक्षित श्रेणी में सही ढंग से स्थानांतरित नहीं किया गया. अक्सर एंजेंसियां यह समझने में विफल रहती हैं कि आयु सीमा या परीक्षा शुल्क में दी गई रियायतें किसी भी मेधावी आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी को अपनी उत्कृष्ट मेधा के आधार पर अनारक्षित श्रेणी में जाने से नहीं रोकती हैं. लोक सेवा भर्ती परीक्षाओं में लगातार बढ़ते मुकदमों और चयन प्रक्रियाओं के अंतर्हीन गतिरोध से निपटने के लिए अब बुनियादी और संस्थागत सुधारों की सख्त जरूरत है. इसके समाधान के रूप में सबसे पहला कदम भर्ती अधिकारियों का विधिक व संवैधानिक क्षमता निर्माण है. राज्य लोक सेवा आयोगों और केंद्रीय विभागों के नीति निर्माताओं को आरक्षण न्यायशास्त्र का गहन प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए. इसके साथ ही, मानवीय और प्रशासनिक नुष्टियों को रोकने के लिए आरक्षण रोस्टर प्रणाली और पदों की गणना को मानकीकृत तकनीकी प्रणाली के माध्यम से पूरी तरह स्वचालित किया जाना चाहिए. इसके अतिरिक्त, प्रत्येक भर्ती एंजेंसी में सामान्य प्रशासकों पर निर्भरता कम कर संवैधानिक व सेवा विधि के विधेयकों का एक स्वतंत्र विधिक प्रकोष्ठ स्थापित किया जाना चाहिए, जो किसी भी विज्ञापन के जारी होने से पूर्व ही नियमों की बारीक न्यायिक समीक्षा करे.

चयनित उम्मीदवारों का प्रशिक्षण अकादमी पहुंचने का यह लंबा इंतजार केवल कुछ दायित्वों की आजीविका का नुकसान नहीं है, बल्कि यह देश की शीर्ष नौकरशाही की अपूर्ति शृंखला में एक बड़ा गतिरोध है. जब तक सभी जिम्मेदार एंजेंसियां आरक्षण के संवैधानिक प्रावधानों को स्पष्ट रूप से नहीं अपनाती और आवश्यक तकनीकी व विधिक सुधार लागू नहीं करतीं, तब तक न्यायिक हस्तक्षेप और मुकदमों का यह अंबार भारत की सार्वजनिक भर्ती प्रणाली की एक स्थायी और दुर्भाग्यपूर्ण विशेषता बनी रहेगी. *(लेखक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं)*

राजनीति में विरोधियों के प्रति तल्ख होते तेवर



- ज्योति मल्होत्रा

पिछले हफ्ते की शुरुआत में नागपुर में जब तक आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपना वार्षिक विजयादशमी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने ‘सत्ता परिवर्तन’ की संभावना को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के प्रति संगठन के समर्थन को रेखांकित किया, तब तक, बंगाल में दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास लगे वामपंथी साहित्य के बुकस्टॉलों में आग लगा दी जा चुकी थी. किताबों के साथ हुए इस किस्म के सलूक ने, बेशक, आपको रेब्रेडबरी के 1953 के मशहूर उपन्यास ‘फॉरेनहाइट 451’ की याद दिलाई होगी. इस किताब का उपशीर्षक है- ‘वह तापमान, जिस पर किताबों का कागज आग पकड़ता है और जल जाता है’. यह उपन्यास अमेरिका में मैकार्थी युग के चरम पर लिखा गया था. इसमें नाज़ी जर्मनी में किताबों को जलाए जाने और सोवियत संघ की ‘गुलाग’ जेलों में हुए दमन का जिक्र है, जब ‘राष्ट्र-विरोधी’ माने जाने वाले साहित्य को पढ़ने, लिखने या उस पर विचार करने का मतलब था कड़ी सजा आमंत्रित करना.

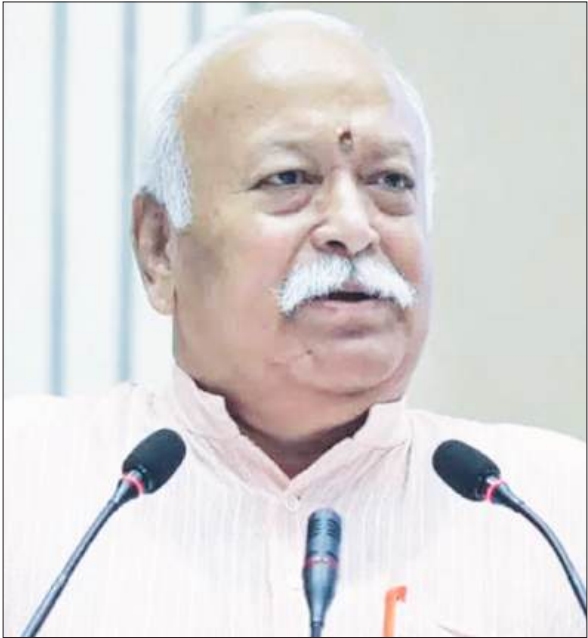
बेशक, बंगाल की इस घटना की तुलना उस उपन्यास से करना कुछ बड़ा-चढ़ाकर देkhना हो सकता है. जो भी हो, राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने, जिन्होंने यकीनन मुख्यमंत्री सुवंदु अधिकारी के मुकाबले कहीं ज्यादा किताबें पढ़ी हैं- अपनी सरकार की कुछ हद तक लाज बचा ली, जब उन्होंने कहा कि हालिया दुर्गा पूजा के दौरान जिस तरह से कुछ उपद्रवियों और गुंडों ने वामपंथी बुकस्टॉलों को तहस-नहस किया है, उसे देखकर उनका सिर शर्म से झुक जाता है.

दासगुप्ता ने गत समाह हिम्मत कर सब बोला है क्योंकि वे समझते हैं कि ‘बंगाल’ का विचार सुवंदु अधिकारी से कहीं बड़ा है - ठीक वैसे ही, जैसे कभी सीपीआई (एम) के दिग्गज नेता और मुख्यमंत्री रहे ज्योति बसु ने 1996 में अपनी ही पार्टी के खिलाफ आवाज उठाई थी. तब उन्होंने उनको प्रधानमंत्री बनने से रोके जाने के पार्टी के फैसले को एक ‘ऐतिहासिक भूल’ करार दिया था. यहां मुख्य बात यह है कि बिन्कुल अलग-अलग विचारधाराओं-एक वामपंथी और दूसरी दक्षिणपंथी-से जुड़े ये भद्र पुरुष, अलग-अलग विचारों के सहअस्तित्व को स्वीकार करने में सक्षम रहे. यही लोकतंत्र का सार है. ऐसा करके, दासगुप्ता विरोधी विचारों

बीते सप्ताह आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने भाषण में सत्ता में बदलाव की संभावना को नकारा. इसके अलावा बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान वामपंथी बुकस्टॉलों को निशाना बनाने की घटना हुई. लेकिन शासन की प्रतिक्रिया नहीं आई. हालांकि एक मंत्री का वाक्ये की निंदा करना लोकतंत्र की भावना के अनुकूल ही है जिसके तहत देश की राजनीति में विभिन्न विचारधाराओं का सहअस्तित्व स्वीकारने की परंपरा रही.

के प्रति सम्मान का समर्थन करते हैं. वामपंथ में भी कई लोग ऐसे हैं जो एक ही सांस में ‘लाल सलाम’ का नारा लगाने और अंदर ही अंदर महालया पाठ करने में समर्थ नहीं हैं. लेकिन एक अच्छे कॉमेंटेड ज्योति बाबू समझते थे कि भले ही धर्म ‘जनता के लिए अफीम’ हो, फिर भी इस नियम का एक अपवाद हमेशा रहा है-‘देवी दुर्गा, देवी काली और देवी सरस्वती का उत्सव.

यही वजह है कि गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से जुड़ा मशहूर कथन लंबे समय तक सच माना जाता रहा : ‘बंगाल जो आज सोचता है, शेष भारत कल सोचता है’. (हालांकि, गोखले ने 1905 में ऐसा नहीं कहा था.) फिर भी, समस्या बंगाल या बंगालियों के साथ नहीं है-भले ही सुवंदु अधिकारी कुछ भी कहें-बल्कि



समस्या यह है कि आज भारत में ‘अलग’ होने, धारा के विपरीत तैरने का विचार धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है. सच तो यह है कि ऐसा कुछ समय से हो रहा है. हाज़िरजवाबी की कला-जिसमें आप गुस्से की बजाय व्यंग्य की धार से अपने विरोधी को निरुत्तर कर दें-लगभग विलुप्त हो चुकी है. आजकल राजनीति में इत्तेफाक नहीं कि बीते गुरुवार एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में मांटी ने अपनी टिप्पणियों में कांग्रेस पर ‘दिमागी नक्सलियों’ या ‘बौद्धिक नक्सलियों’ के बढ़ते प्रभाव की बात कही. यह भी कोई इत्तेफाक नहीं कि बीजेपी इस समय राहुल गांधी के कथित तौर पर विदेश में छुट्टियां मनाने को - माना जा रहा है कि वे

समोसा’ वाला नारा इसलिए असरदार रहा क्योंकि वे दिल्ली पुलिस पर तंत्र कस रही थी ‘कि जब हमें आपकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब आप कहाँ होते हैं’ ? या फिर जब नेहा बोरा उन पुलिसकर्मियों से चाय की मांग करती हैं, जिन्होंने उन्हें और उनके साथियों को हिरासत में ले रखा है? छात्रों ने वह पुरानी कहावत पकड़ ली : ‘जब आपका विरोधी आपसे कहीं ज्यादा ताकतवर हो, तो उसको हास्य से जीत लो’.

तथापि, दिल्ली में कुछ चीजें पहले ही बदल रही हैं. मिजाज सख्त होता जा रहा है. यह साफ है कि सरकार दोतरफा रणनीति लगा रही है - पहला, हर किस्म के विरोध-प्रदर्शन को न होने देना, चाहे वह सड़कों पर होने वाले प्रदर्शन हों या विरोध दर्शाने वाले अन्य माध्यम, जैसे कि प्रदर्शनों

की छवियां वाली तस्वीरों की प्रदर्शनी. अब मस्ती और हल्के-फुल्केपन का समय सिकुड़ रहा है. दूसरा, मुख्य विपक्षी दल को निशाना बनाना. भले ही देश के ज्यादातर हिस्सों में कांग्रेस सिकुड़ी पड़ी है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अच्छी तरह जानते हैं कि यही वह एकमात्र राजनीतिक समूह है, जिसमें खुद को फिर से खड़ा करने की क्षमता है. कोई इत्तेफाक नहीं कि बीते गुरुवार एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में मांटी ने अपनी टिप्पणियों में कांग्रेस पर ‘दिमागी नक्सलियों’ या ‘बौद्धिक नक्सलियों’ के बढ़ते प्रभाव की बात कही. यह भी कोई इत्तेफाक नहीं कि बीजेपी इस समय राहुल गांधी के कथित तौर पर विदेश में छुट्टियां मनाने को - माना जा रहा है कि वे

वियतनाम में हैं - निशाना बना रही है और पूछ रही है कि वहां पर वे किससे मिल रहे हैं.

यह एक अलग बात है कि ऐसे नाजुक समय में विदेश जाकर छुट्टी मनाने का कथित फैसला करके राहुल गांधी खुद ही शेर की मांद में चले गए हैं - जिससे पूरे विपक्ष की रणनीति पर ही सवाल खड़े हो गए हैं (या फिर अगर वे वहां नहीं हैं, तो भी कांग्रेस में कोई इस बात की पुष्टि या खंडन नहीं कर रहा.) विपक्ष का गुब्बारा पहले ही पिचका जा रहा है. सरकार और विपक्ष, दोनों ही, यह जानते हैं कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टियां और ‘इंडिया’ गठबंधन जैसे मोर्चे ही इस लड़ाई का नेतृत्व कर सकते हैं - न कि वे छोटे-मोटे समूह, जो खुद को ‘कांकोरो’ कहलाने में गर्व महसूस करते हैं और ज्यादा से ज्यादा बस लोगों का ध्यान भटकाने का काम कर सकते हैं.

यही वजह है कि विजयादशमी के मौके पर मोहन भागवत का यह बयान बहुत अहम हो जाता है, जिसमें उन्होंने ‘सत्ता परिवर्तन’ की संभावना को खारिज कर दिया. भाषण की शुरुआती पंक्ति इस बार कहीं ज्यादा सख्त थी. पिछली बार की बनिस्बत जब उन्होंने अगस्त माह में ‘जेन-ज़ी’ और ‘जेन-अल्फा’ छात्रों से बात की थी और स्वीकार किया था ‘आज्ञा मानने वाला वक्त’ अब गुजर चुका है. दूसरी बात, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे अहम राज्यों में चुनाव करीब हैं, ऐसे में भागवत जानते हैं कि बीजेपी और आरएसएस के बीच जरा सा भी मतभेद या दूरी नज़र नहीं आनी चाहिए.

अब फिर से बंगाल और रे ब्रेडबरी, दोनों की ओर लौटते हैं - अगर किताबें नष्ट करने के विचार को कथित बढ़ावा देने के लिए सुवंदु अधिकारी को उनकी ही पार्टी फटककर तक नहीं लगाती, तो इसका क्या मतलब है? जहां तक रे ब्रेडबरी की बात है, वे नाज़ी जर्मनी में किताबों को जलाए जाने की घटनाओं से बेहद आहत थे. उन्होंने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने ‘फॉरेनहाइट 451’ इसलिए लिखी कि जिस तरह अमेरिका में 1950 के दशक में चीजें घट रही थीं, जब ‘बहुत से लोग अपनी ही परछाईं से डरने लगे थे’.

शायद, सब कुछ कहा और किया जा चुका हो, तब एक ही सवाल बचता है : क्या सच में यही वह तापमान है जिस पर कागज जलता है? या फिर, आग को फिर से सुलगाने के लिए किसी लिक्चुरल नए विचार की जरूरत है? *(लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं)*

आपका जन्मदिन मंगलमय हो	27 अक्टूबर
आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्म तारीख 27 अक्टूबर है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह मंगल है. आपका जन्मांक मेष व वृश्चिक राशि के अन्तर्गत आता है. इस माह का अधिपति ग्रह शुक्र है. आप शुक्र एवं मंगल ग्रह के पूर्ण प्रभाव में आजीवन रहेंगे. आपका व्यक्तित्व दृढ़ता और साहस का प्रतीक होगा. प्रदर्शन की भावना आपमें विशेष रूप से विद्यमान रहेगी. आप जो भी कार्य करेंगे स्वतन्त्र रूप से कार्यशील रहेंगे. आप अपने जीवन में अनुशासन को ज्यादा महत्व देंगे. आप स्वाभिमानी होंगे. आप हर परिस्थितियों में सामान्य रहेंगे. अत्यधिक उतावलापन आपकी प्रमुख कमजोरी होगी. आप उच्च आदर्शों के लिए कार्यशील रहेंगे. लोग स्वतः आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होकर आपके सम्पर्क में आ जायेंगे. आपका दाम्पत्य जीवन अनुकूल नहीं कहा जा सकता. कलामय कृत्यों में आपकी रुचि रहेगी. आप आधुनिक व संगीत प्रेमी होंगे. विपरीत कार्यों से आप तुरन्त निराश हो जायेंगे. आप अपने शत्रुओं के प्रति कठोर रुख अपनायेंगे. मार्ग निर्देशन के क्षेत्र में आप अग्रणी रहेंगे. राजनैतिक व सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि रहेगी. कार्यों में सफलता के लिए अपने आराध्य देव की आराधना अवश्य करें. अपने दैनिक जीवन में लाल एवं नारंगी रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें. मंगलवार के दिन गुड़ व मिठाई ग्रहण करें साथ ही दान में देवें. समाज सेवा नि:स्वार्थ भाव से करें. सुख-समृद्धि व सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.	
आपके लिए अनुकूल :-	यंत्र
मन्त्र : ॐ अं अंगारकाय नमः	मास : फरवरी, जून एवं नवम्बर
व्रत : मंगलवार	वर्ष : 9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72
दिन : सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग : लाल एवं नारंगी
दिनांक : 9, 18, 27	जन्मरत्न : मूंगा
अंक : 1, 3, 6	उपरत्न : लाल अकीक
वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 15 मार्च से 14 अप्रैल, 31 अक्टूबर से 14 नवम्बर	
हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद	
विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722	

आपका आज का दिन 2026

	मेष : चिरवांछित कार्यों में सफलता, शारीरिक सुख, नव-उत्तरदायित्व का निर्वाह, बकाए धन की प्राप्ति का सुयोग, अधीनस्थ कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त.
	वृषभ : आज रात्रि 9/07 बजे तक निराशा, स्वास्थ्य में शिथिलता, योजना अपूर्ण, अपव्यय, शेष समय में भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि, अध्यवसाय की ओर रुझान.
	मिथुन : आज रात्रि 9/07 बजे तक समय बेहतर, नवयोजना दृष्टिगत, वैमनस्यता का समापन, शेष समय में दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता, समस्याओं से चिन्तित.
	कर्क : बुद्धि चातुर्य से कुछेक कार्यों में अनुकूलता, नौकरी में पदोन्नति, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, वैवाहिक जीवन में मधुरता, आवागमन में सफलता, लाभ भी.
	सिंह : दिनचर्या व्यवस्थित, समस्या का संतोषजनक समाधान, प्रियजनों से अनुकूलता, व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, व्यक्तित्व का विकास, प्रेम सम्बन्धों में मधुरता.
	कन्या : आज रात्रि 9/07 बजे तक प्रतिकूलता प्रभावी, व्यापारिक पक्ष से चिन्तित, वाहन से भय, शेष समय में अधूरे कार्य प्रगति पर, आर्थिक लाभ, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क.

	तुला : आज रात्रि 9/07 बजे तक किसी योजना का श्रैगणेश, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, शेष समय में स्वास्थ्य प्रभावी, पठन-पाठन में अरुचि, लाभ का मार्ग अवरुद्ध.
	वृश्चिक : अधूरी या नवयोजना पर कार्यारम्भ संभव, यश-मान-प्रतिष्ठापरक कृत्य सम्पादित, स्वास्थ्य सुधार पर, आपसी वैमनस्यता का समापन, यात्रा सुखद.
	धनु : स्वयं का लिया गया निर्णय हितकर, अधूरी योजना पर मित्रों से विचार-विमर्श, धन संचय में प्रवृत्ति, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता.
	मकर : आज रात्रि 9/07 बजे तक प्रतिकूलता, पुरुषार्थ के प्रति अरुचि, उन्नति का मार्ग अवरुद्ध, कष्ट भी, शेष समय में उलझनों में कमी, अभीष्ट सिद्धि का प्रयास सार्थक.
	कुम्भ : आज रात्रि 9/07 बजे तक शुभ परिवार में मंगल आयो-जन, मित्रों से महयोग, मेल-मिलाप में रुचि, शेष समय विपरीत, मनोबल में कमी, कठिनाइयों से तनाव.
	मीन : मनोभिलाषित योजना में सफलता, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, बकाये धन की प्राप्ति, भोग-विलासिता की ओर रुझान, व्यक्तिगत जीवन में उपलब्धि.
- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722	

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता अवधूत देवी दास जी महाराज

आर्टम स्कन्ध

जन्मतः सुत रां उच्चारि । पीडा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाह । मंगल सुगन अनुकूल सबाह ।।
व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीडा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।
समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहै होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।
व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आशीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

विकास की कीमत बनता प्रदूषण



- कुलभूषण उपमन्यु

वर्तमान सभ्यता मूलतः औद्योगिक सभ्यता है. दैनिक जरूरतों के सामान से लेकर सब तरह के ऊर्जा, सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण आदि से संबंधित सामान और उपकरण बड़े पैमाने पर उद्योगों में ही बनाना संभव है. इसलिए दुनिया भर में उद्योगों की स्थापना की होइ लगी रहती है. अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं औद्योगीकरण पर ही टिकी हुई हैं, इसलिए कोई भी उद्योगों से पैदा होने वाली पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय समस्याओं पर बोलना नहीं चाहता, लेकिन हर सहनशीलता की भी एक सीमा है. उद्योग एक ओर रोजगार देकर आम आदमी को राहत देते हैं तो दूसरी ओर हवा, पानी, मिट्टी को प्रदूषित करके जीवन यापन की स्थितियों को बीमारियों के भंवर में फंसा देते हैं. पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान के आधार पर उद्योगों को शुच्य से 100 के स्केल से मापा जाता है. 60 सूचकांक से ज्यादा प्रदूषक उद्योगों को लाल सूची में डाला गया है. सीमेंट, खनिज तेल फिफाइनरी, बड़े स्तर का खनन, ताप विद्युत परियोजनाएं और रासायनिक उत्पादन इकाइयों को इस श्रेणी में रखा गया है. इस श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं. दूसरी श्रेणी संतरी है. इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं. इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भट्टे और मध्यम दर्जे के उत्पादन. इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं. तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है. इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं. इसमें आरा मशीनें, पारंपरिक शिल्प, और छोटे मसला पिसाई इकाइयां आती हैं. इनके लिए स्वीकृतियां तो चाहिए होती हैं, किंतु लंबे समय तक स्वीकृति प्रदान की जाती है. चौथी श्रेणी श्वेत श्रेणी है. 0 से 20 प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग इसमें आते हैं. इसमें सौर ऊर्जा प्लांट, वायु ऊर्जा प्लांट और बाईसिकल असंबली जैसे उद्योग आते हैं. इनके लिए स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं है. केवल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सूचना मात्र देनी होती है. हिमाचल में बड़ी, बरोटीवाला, नालागढ़ में सबसे ज्यादा उद्योग स्थापित हैं. करीब 3000 इकाइयां यहां स्थापित हैं, जिनमें से 380 लाल श्रेणी की, 1400 संतरी श्रेणी की हैं. इनमे से 500 के लगभग इकाइयां जहरीली गैसें वातावरण में छोड़ रही हैं, कुछ के पास तो प्रचालन स्वीकृतियां भी नहीं हैं. अधिकांश अपशिष्ट उपचार संयंत्र कम क्षमता के हैं या अकुशल हैं. शिवालिक अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट भी मनमर्जी से काम करते हैं. कई उद्योगों पर प्रदूषित पदार्थों को जमीन में पंप करके डाल देने का आरोप है.

यह राज्य के अंदर और पड़ोसी राज्यों में भी स्वास्थ्य से बड़े खिलवाड़ का मामला है. अतः पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए. यह औद्योगीकरण के अंध विरोध को भी मामला नहीं है, किंतु टिकाऊ और जन अभिमुख विकास के लिए औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण होना ही चाहिए, वरना विकास का अर्थ ही अनर्थ में बदल जाता है. यहां से प्रदूषित वायु और जल पंजाब को भी प्रभावित कर रहा है. पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच के बाद हिमाचल के बोर्ड को लिखा भी है कि इस क्षेत्र का प्रदूषित अपशिष्ट सतलुज तक पहुंच रहा है. अवैध डंपिंग से रिस कर कुछ अपशिष्ट सिसा नदी को प्रदूषित कर रहा है, जिसका असर हरियाणा तक हो रहा है. औद्योगिक अपशिष्ट को इस तरह स्वास्थ्य के लिए खतरा बनने नहीं दिया जा सकता. गत दिनों हिमालय नीति अभियान और उससे जुड़े हुए कई संगठनों ने नालागढ़ में विरोध प्रदर्शन करके अपनी चिंता प्रकट की और प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर इस स्थिति को सुधरने की मांग की है. अभियान के संयोजक गुमान सिंह के अनुसार कुछ इकाइयों के आसपास तो बंदबू से गुजरना तक मुश्किल हो गया है. उद्योगों में हिमाचल के 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 68,650 लोगों को काम मिला है शेष करीब 26000 कर्मचारी बाहरी राज्यों से हैं, किंतु इसके बदले पर्यावरणीय बर्बादी और स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष और परोक्ष खतरे को फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती.

गत दिनों कुछ शोध सामने आए हैं जिनसे पता चला है कि हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य की स्थितियां चिंताजनक होती जा रही हैं. विशेषकर कैंसर जैसे रोगों का फैलाव राष्ट्रीय औसत से ज्यादा हो गया है. बीबीएन में काम करने वाले मजदूर भी कार्यकर्ता भी इस देश से बचे नहीं हैं. अशुद्ध जल के कारण पीलिया जैसे रोग आम हैं, जिसकी चपेट में आ कर कई जान गंवा चुके हैं. औद्योगिक कार्यकर्ताओं के लिए इलाज की भी उचित व्यवस्थाएं नहीं हैं जिसके चलते मुश्किल से न्यूनतम मजदूरी पर काम करने वाले महंगे इलाज तक पहुंच भी नहीं पाते. बीबीएन विकास योजना में ही उद्योग, बाँचलर, गैसों का उत्सर्जन, अपशिष्ट जलाना और रासायनिक कणों के उत्सर्जन को वायु प्रदूषण का कारण माना गया है, जिससे खांसी, गले में खराश, बलगम, थ्रास, ब्रॉकाइटिस, अन्य ध्वसन संबंधी रोग, फेफड़ों के कार्य में कमी, आंखों में जलन जैसे रोगों में वृद्धि हुई है. 2026 के एक वैज्ञानिक अध्ययन में 50 भूजल के नमूनों का अध्ययन किया गया था, जिसमें 78% नमूनों में जल पीने योग्य नहीं पाया गया. संख्या और फ्लोराइड की उपस्थिति चिंताजनक मानी गई, जिससे चर्म रोग, हृदय रोग, मधुमेह, और कैंसर का खतरा बढ़ा है. फ्लोराइड से दांतों का फ्लूरोसिस आदि का खतरा बढ़ा है. बच्चों के लिए यह खतरा ज्यादा है.

प्रदूषण केवल औद्योगिक स्थल तक ही सीमित नहीं रह सकता, क्योंकि प्रदूषित हवा और पानी आसपास और नदी के माध्यम से नीचे दूर तक पहुंच जाता है, इसलिए पंजाब तक यह खतरा फैलता जा रहा है. इसी कारण गत दिनों प्रदूषण विरोधी विरोध प्रदर्शन में पंजाब से भी लोग शामिल हुए. अतः अब हिमाचल के औद्योगिक सफर को निरापद और टिकाऊ औद्योगिक विकास के अनुकूल बनाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण पर सख्त कदम उठाने का समय आ गया है, जिसके लिए एकल स्तर पर उपचार संयंत्रों का ठीक से काम करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए और केंद्रवाल स्थित सामूहिक अपशिष्ट संशोधन संयंत्र की क्षमता- वर्धन और सतत कार्यशीलता सुनिश्चित की जानी चाहिए. इस कार्य में स्थानीय स्तर पर कार्यरत सामाजिक संगठनों का सहयोग लेना और उनकी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुन कर उन पर कार्यवाही करके इस समस्या पर कुछ हद तक पार पाया जा सकता है. आर्थिक लालच के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता, जिनके विकास के लिए उद्योग चाहिए, उनके ही स्वास्थ्य को नष्ट किया जाना औद्योगिक विकास के लक्ष्य को ही नष्ट कर देता है.

(लेखक, पर्यावरणविद और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं)

टी20 श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगा भारत, भुवनेश्वर पर होगी निगाह

बेल्लिंगटन: बड़ेबाजों के दम पर पहले दो मैचों में जीत हासिल करने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी जिसमें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी।

भारत 2020 से न्यूजीलैंड में अजेय रहा है, उसने विराट कोहली की अगुवाई में तब न्यूजीलैंड को 5-0 से हराया था। इसके बाद 2022-23 में अपने अगले दौर में भारतीय टीम ने एकमात्र ऐसा मैच जीता जो खराब मौसम से प्रभावित नहीं हुआ था, जबकि श्रृंखला का निर्णायक मैच टाई रहा था। अब श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम सुनिश्चित करना चाहेगी कि जसप्रीत बुमराह (जिन्हें आराम दिया गया है) और हार्दिक पंड्या (जो लंबे समय से चोट के कारण बाहर हैं) की अनुपस्थिति के बावजूद उनका अजेय रिकॉर्ड बरकरार रहे, क्राइस्टचर्च में खेले गए शुरुआती दो मैचों में बड़े लक्ष्य हासिल करने के बाद टीम निश्चित रूप से सही राह पर दिख रही है।

भारत के लिए हालांकि चुनौती आसान नहीं है क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी और इसके अलावा यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना भी आसान नहीं होगा। भारतीय टीम को तीन तरफ से खुले बेसिन रिजर्व ग्राउंड पर अक्सर चलने वाली तेज हवाओं से निपटना होगा।

क्या इस तरह की परिस्थितियों को देखते हुए अंतिम एकादश में कोई रणनीतिक बदलाव



किया जाएगा, इस बारे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कोई खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर को बिना दबाव में आए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लय हासिल करने की जरूरत है, उन्होंने पहले दो मैचों में 49 और 50 रन लूटे हैं।

भुवनेश्वर को हालांकि बेसिन रिजर्व की परिस्थितियां रास आ सकती हैं, उन्हें अर्शदीप के रूप में एक भरोसेमंद साथी मिलेगा, जो दोनों तरफ स्विंग करने की अपनी क्षमता से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के बड़ेबाजों फिन एलन, टिम सीफर्ट और डेरिल मिचेल के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

इन तीनों बड़ेबाजों ने अभी तक अपेक्षित

लाइन में शॉट लगाना पसंद करते हैं।

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाजों के लिए कार्यभार प्रबंधन योजना के तहत लॉकी फर्ग्युसन और मैट हेनरी की अनुपस्थिति भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, न्यूजीलैंड ने इन दोनों की जगह पर मैट फिशर और ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल किया है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन हवा और ठंड के उतार-चढ़ाव से कैसे निपटते हैं। 15 वर्षीय सूर्यवंशी के लिए इस तरह की परिस्थितियां निश्चित रूप से उन्हें एक बेहतर खिलाड़ी बनाने में बहुत मददगार साबित होंगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर की तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी को मध्य क्रम में इस्तेमाल करने की रणनीति पहले दो मैचों में कारगर साबित हुई है। लेकिन गेंदबाजी के मामले में भारत अभी अपनी कमियों को दूर नहीं कर पाया है।

टीम इस प्रकार है : (भारत) : श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, नमन धीर, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, मयंक यादव, कुमार कुशाग्र, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

(न्यूजीलैंड) : फिन एलन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), बेवन जैकब्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, डेवोन कॉनवे, मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रैसवेल, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, मैट फिशर, काइल जैमीसन, जैकब डफी, एडम मिल्ले, जोश क्लार्कसन.

हाइलो ओपन में सिंधु और लक्ष्य सेन पर रहेंगी नजरें



सारखकेन (जर्मनी): फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहने के बाद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले पांच लाख डॉलर इनामी हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी तो उनकी नजरें अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने पर होंगी. नकशे देखें

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन का खिताब जीता था और इसके बाद पेरिस में फ्रेंच ओपन के फाइनल में जगह बनाई. हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें दक्षिण कोरिया की दुनिया की नंबर

मौजूदा विश्व चैंपियन फ्रांस के एलेक्स लेनियर से होगा. किरण जॉर्ज का सामना मलेशिया के चियाम जून वेई से होगा जबकि थारुन मात्रेपल्ली की भिड़ंत फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त टोमा जूनियर पोपोव से होगी.

महिला एकल में भारत की अश्मिता चालिहा इस साल कोरिया मास्टरस का खिताब जीतने और पिछले समाह फ्रेंच ओपन में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराने के बाद अपनी शानदार फॉर्म जारी रखने के इरादे से उतरेंगी. पहले दौर में उनका सामना बुलारिया की कतोलयाना नलबांतोवा से होगा.

देविका सिहाग के सामने शीर्ष वरीयता प्राप्त थार्डलैंड की पोर्नपावी चोचुवांग की कड़ी चुनौती होगी जबकि आकर्षी कश्यप यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा से भिड़ेंगी. आठवीं वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड का मुकाबला डेनमार्क की लाइन होजमार्क जार्सफेल्ड से होगा जबकि छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा चेक गणराज्य की टेरेशा स्वाबिकोवा के खिलाफ खेलेंगी. इशारानी बरुआ और अनमोल खरब महिला एकल के कालीफाईंग दौर में हिस्सा लेंगी.

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

जालंधर: पांच बार की चैंपियन और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम मंगलवार से यहां शुरू होने वाले छह देशों के एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी जहां उसका पहला मुकाबला बांग्लादेश से होगा.

इस टूर्नामेंट से 17 साल के बाद पंजाब में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की भी वापसी होगी. यह राज्य कई दशकों से भारतीय हॉकी का केंद्र रहा है और आज भी टीम के आधे से अधिक खिलाड़ी यहीं से आते हैं. लेकिन इससे पहले यहां आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट 2009 में गोल्ड कप के रूप में खेला गया था. लेकिन भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और मनदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों का अपने राज्य में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है.

उन्हें अपने गृह राज्य में परिवार और दोस्तों के सामने खेलने का मौका मिलेगा. हरमनप्रीत पहले ही कह चुके हैं कि स्टैंड में अपने परिवार को देखना उनके लिए बेहद खुशी का पल होगा. हालांकि अभ्यास सत्र के दौरान पिंजली में चोट लगने के कारण मनप्रीत सिंह पहले मैच में नहीं आएंगे. उनकी जगह विवेक सागर प्रसाद को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है. भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन भी पंजाब में खेलने को लेकर उत्सुक हैं.

उन्होंने कहा, "हम घरेलू दर्शकों से मिलने वाले जोश और ऊर्जा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है और



हम इसका बहुत इंतजार कर रहे थे." भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन है और वह विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर है जो इसमें भाग लेने वाली टीमों में सर्वोच्च है. भारत ने सर्वाधिक पांच बार 2011, 2016, 2018, 2023 और 2024 में खिताब जीता है. भारतीय टीम सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से हटने वाले पाकिस्तान की जगह लेने वाले बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और फिर 29 अक्टूबर को चीन, 30 अक्टूबर को जापान, एक नवंबर को मलेशिया और दो नवंबर को कोरिया के खिलाफ खेलेंगी.

प्रतियोगिता के लीग चरण से शीर्ष चार टीमें

सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. सेमीफाइनल और फाइनल चार और पांच नवंबर को मोहाली में खेले जाएंगे.

भारत ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है और कुछ मामूली बदलाव किए हैं. गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने मोहित एचएस की जगह ली है जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लाकड़ा और मिडफील्डर आदित्य लालागे को राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की करने का मौका मिला है.

चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के नहीं होने के कारण भारत के लिए टूर्नामेंट में सबसे बड़ा खतरा

मलेशिया होगा. एक ऐसी टीम जिसने अतीत में अक्सर भारतीय टीम को परेशान किया है. एशियाई खेलों के फाइनल में भारत ने भले ही उसे 5-1 से हराया हो, लेकिन हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम मलेशिया को हल्के में लेने की गलती नहीं कर सकती.

कोरिया का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है, लेकिन जापान में भारत को हराने की क्षमता है. हाल ही में एशियाई खेलों में हुए मुकाबले में उन्होंने भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में 0-2 से हार गए.

भारतीय टीम के चार सीनियर खिलाड़ियों मनदीप सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और नीलाकांत शर्मा के लिए यह टूर्नामेंट भावनाओं से भरा होगा क्योंकि विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार वह देश की तरफ से आखिरी बार खेलते हुए नजर आएंगे.

पहले दिन के अन्य मैचों में मलेशिया का मुकाबला चीन से होगा, जबकि कोरिया का जापान से होगा.

भारतीय टीम : (गोलकीपर) : सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक, (डिफेंडर) : संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, अमनदीप लाकड़ा. (मिडफील्डर) : राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, नीलकांत शर्मा, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद. (फॉर्वर्ड) : शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह.

मैचों का कार्यक्रम: मलेशिया बनाम चीन (दोपहर एक बजे), जापान बनाम दक्षिण कोरिया (दोपहर 3.15 बजे), भारत बनाम बांग्लादेश (शाम सात बजे).

केंद्र सरकार राजकोषीय घाटा कम करने के लिए प्रतिबद्ध: सीतारमण

तिरुचिरापल्ली : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार राजकोषीय घाटा कम करने के लिए प्रतिबद्ध है और 2030 तक देश का कर्ज सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 50 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य है. सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सरकार के सालाना बजट में राजकोषीय घाटा कम करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है. केंद्र सरकार का कर्ज घटाने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी कर्ज प्रबंधन के प्रति भारत के अनुशासित रुख को स्वीकार किया है. उन्होंने देश के कर्ज से जुड़ी चिंताओं पर कहा कि कोविड महामारी के बाद से सभी देशों को कर्ज से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है. केंद्रीय वित्त मंत्री ने महंगाई पर नियंत्रण के बारे में कहा कि 2014 से ही मंत्रियों का एक समूह कीमतों को स्थिर रखने के लिए आपूर्ति श्रृंखला के बेहतर प्रबंधन पर काम कर रहा है. उन्होंने चावल के निर्यात पर पाबंदी जैसे कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके घरेलू उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी से बचाने के साथ किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने में भी मदद मिली. सीतारमण ने प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के प्रयासों पर कहा कि सरकार इस दिशा में कई कदम उठा रही है. महामारी, आर्थिक सुधार की चुनौतियों, युद्धों और ईंधन एवं कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि इनका बोझ आम जनता पर अधिक न पड़े. उन्होंने राज्यों की वित्तीय स्थिति, खासकर तमिलनाडु के बढ़ते कर्ज पर पूर्व वित्त मंत्री धनंजय थैरारासु की चिंताओं पर कहा कि ऐसे मुद्दों पर राज्य विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए, ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके. इसके साथ ही उन्होंने राज्य में सत्ताहस्त पाटी टीवीके की तरफ से पिछली द्रमुक सरकार के पूर्व मंत्रियों के खिलाफ दर्ज मामलों को राज्य का विषय बताया. मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों पर उन्होंने कहा कि न्याय पाने के लिए अदालतों का रुख करना या सड़कों पर प्रदर्शन करना, दोनों ही तरीके विभिन्न समूह अपनाते हैं.

कच्चे तेल का वायदा भाव दो प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली: वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को कच्चे तेल का भाव दो प्रतिशत टूटकर 9,631 रुपये प्रति बैरल रह गया. पश्चिम एशिया संघर्ष से आपूर्ति को लेकर बनी चिंताओं के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की उम्मीदों का बाजार पर असर पड़ा. मल्टी कमांडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का नवंबर माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 169 रुपये या 1.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,631 रुपये प्रति बैरल रह गया. यह अनुबंध पिछले समाह के मुकाबले 406 रुपये यानी 4.32 प्रतिशत बढ़कर 9,800 रुपये प्रति बैरल पर बंद हुआ. दिसंबर माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध भी 139 रुपये या 1.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,504 रुपये प्रति बैरल रह गया. चॉइस ब्रोकर्स की कमांडिटी मामलों की मौलिक विश्लेषण फंकी यादव ने कहा, "एमसीएक्स में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत हुई और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप यह नकारात्मक दायरे में बना रहा."

कारोबार

भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद की वापसी, मार्केटकैप करीब 5 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई: भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद दमदार वापसी की. दिन के अंत में सेंसेक्स 482.92 अंक या 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,606.75 और निफ्टी 153.20 अंक या 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,675 पर बंद हुआ. इस तेजी से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 5 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 456 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो कि शुक्रवार को करीब 451 लाख करोड़ रुपए था. बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई. निफ्टी 500 सूचकांक थे. केवल निफ्टी मीडिया (0.34 प्रतिशत) और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.21 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुए. सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, इटनरल, कोटक महिंद्रा बैंक, टैट, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, इंडिगो, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, एशियन पेट्रोल, एनपीटीसी, टाइटन, आईटीएसआईसीआई बैंक, महिंद्रा, टीसीएस, एसबीआई और एमएंडएम गेनर्स थे. दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक और पावर ग्रिड लूजर्स

भू-राजनीतिक अनिश्चितता और फेड, ईसीबी और बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों से पहले बरती जा रही सतर्कता ने बाजार के रुख को संतुलित रखा. उन्होंने आगे कहा कि पिछले समाह की तेज गिरावट के बाद मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में भी कुछ सुधार देखने को मिला, हालांकि निवेशक चूनिंदा बने रहे और उन्होंने मुनाफे की स्पष्टता और बेहतर वैल्यूएशन को प्राथमिकता दी. शुरुआती तिमाही नतीजों से संकेत मिलता है कि बिजली उत्पादन, धातु और रिफाइनिंग क्षेत्रों में कमांडिटी-आधारित मुनाफे में वृद्धि होगी, लेकिन उच्च ऊर्जा लागत और ब्याज दरों से आने वाली तिमाहियों में कंपनियों की समग्र वृद्धि में कमी आने का अनुमान है.

थे. वहीं, एचयूएल और सन फार्मा सपाट बंद हुए. जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार आज के सत्र में रिकवरी देखने को मिली, जिसमें वैल्यू बाईंग और मेटल, बिजली और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों का मजबूती का योगदान रहा. हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों,

रुपया 29 पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर

मुंबई: पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में रुपया सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ 29 पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बाण्ड प्रतिफल में मामूली वृद्धि के बीच रुपया कमजोर हुआ. हालांकि, घरेलू बाजारों में आई तेजी ने रुपये की गिरावट को सीमित किया. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.92 प्रति डॉलर पर खुला. कारोबार के दौरान यह फिफ्सलकर 95.26 प्रति डॉलर के दिन के निचले स्तर तक पहुंचा. रुपया अंत में 95.22 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 29 पैसे की गिरावट है. रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर 94.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था. पिछले तीन कारोबारी सत्रों में रुपया



था. पडिक्कल ने अपनी पारी में 248 गेंदों में 23 चौके और तीन छक्के लगाए. श्रीलंका में लगातार दो टेस्ट शतक लगाने के बाद पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर अपनी जगह लगभग पक्की कर ली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला से पहले टीम प्रबंधन ने फिट हो चुके साई सुदर्शन को भी आजमाना चाहा, जिन्होंने प्रभावशाली 91 रन बनाए. उन्होंने पडिक्कल के साथ तीसरे विकेट के लिए 210 रन की साझेदारी की. सुदर्शन ने अपनी 184 गेंदों की पारी में 12 चौके लगाए, लेकिन दोनों बाएं हाथ के बड़ेबाजों में से पडिक्कल अपने शॉट चयन और पारी को गति देने के तरीके में अधिक बेहतर नजर आए. पडिक्कल ने शर्ट बॉल को अच्छी तरह खेला और बाएं हाथ के स्पिनर जेडन लेनोक्स के खिलाफ अपने पैरों का

इस्तेमाल किया, जिन्हें उन्होंने अपने तीन छकों में से दो छक्के मारे. अपने पहले छक्के से उन्होंने शतक भी पूरा किया. जब सुदर्शन शतक बनाने से चूक गए, तो पडिक्कल को यश राठोड़ (72 गेंदों में 66 रन) के रूप में अच्छा सहयोगी मिला. इन दोनों ने मिलकर 142 रन की साझेदारी की. पडिक्कल ने लेनोक्स की गेंद पर अपना दूसरा छक्का लॉन्ग-ऑन के ऊपर मारा और फिर तेज गेंदबाज फ्रेजर शीट की गेंद पर स्कायर लेग के ऊपर से एक और छक्का लगाया. जब पडिक्कल और राठोड़ आउट हुए तब भारत की बढ़त 165 थी, लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 51) ने अशुल कंबोज (23) के साथ 41 रन की साझेदारी की और फिर ऑफिब नवी (38) के साथ 69 रन और जोड़े.

न्यूज कॉर्नर

ब्रिटेन में लंबे पंजों वाले डायनासोर की नयी प्रजाति का जीवाश्म मिला

लंदन: ब्रिटेन के आइल ऑफ वाइट से मिले मांसाहारी डायनासोर की एक नयी प्रजाति की खोपड़ी का जीवाश्म 100 से अधिक वर्षों तक संग्रह में रखे रहने के बाद 'नैचुरल हिस्ट्री म्यूजियम' में दोबारा मिला है. लंदन स्थित इस संग्रहालय के करीब 150 साल के इतिहास में यहां तीन करोड़ से अधिक नमूने हैं. ऐसे में किसी जीवाश्म या चट्टान का संग्रह में कहीं छूट जाना असामान्य नहीं है. संभवतः ऐसा ही ब्रिटेन में खोजे गए इस नए डायनॉसॉर के एकमात्र ज्ञात जीवाश्म के साथ हुआ. अनुसंधानकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में दो पैरों पर चलने वाले इस मांसाहारी थैरोपोड डायनासोर का नाम 'डिन्विक्टिबेलोट्रिक्स एम्बरिना' रखा है. थैरोपोड डायनासोर के इसी समूह में आधुनिक पक्षी भी शामिल हैं. संग्रहालय के जीवाश्म विज्ञानियों में से एक पॉल बैट ने 2020 में जीवाश्मों के संग्रह की जांच के दौरान हड्डी का एक छोटा टुकड़ा देखा. उन्होंने पड़चान लिया कि यह डायनासोर की खोपड़ी के एक महत्वपूर्ण हिस्से, यानी मस्तिष्क को सुरक्षित रखने वाली हड्डी (ब्रेनकेस) का टुकड़ा है.

दिल्ली दंगे के आरोपी को लॉ की कक्षा में शामिल होने की नहीं मिली अनुमति

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगों के मामले के एक आरोपी को सोमवार को गाजियाबाद के एक विश्वविद्यालय में एलएलबी की कक्षा में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया. आरोपी वर्तमान में जमानत पर जेल से बाहर है. न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने आरोपी शादाब अहमद पर लगाई गई जमानत की शर्तों में बदलाव करने से इनकार कर दिया. इन शर्तों के तहत उसे मामले की सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय राजधानी से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया गया था. न्यायमूर्ति कुमार ने अहमद के वकील से कहा, हम इसमें कोई बदलाव नहीं करेंगे... हमें पता है कि आपने दिल्ली के सभी लॉ कॉलेजों को छोड़कर उस लॉ कॉलेज में दाखिला क्यों लिया. अदालत का रुख भांपते हुए, वकील ने जमानत की शर्त में बदलाव के अनुरोध वाली अपनी अर्जी वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे शीर्ष अदालत ने मंजूर कर लिया. शुरुआत में, वकील ने दलील दी कि अहमद ने दिल्ली विश्वविद्यालय के एलएलबी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे दाखिला नहीं मिल सका था. वकील ने बताया कि बाद में उसे गाजियाबाद के एक विश्वविद्यालय में दाखिला मिल गया, और यह भी कहा कि अहमद अब खुद में सुधार कर रहा है. पीठ ने अर्जी वापस ले ली गई मानकर खारिज कर दी, और आरोपी को राहत के लिए अधीनस्थ अदालत का रुख करने की छूट दी.

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की बहनों की हिरासत 30 दिन बढ़ाई

लाहौर: पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तीन बहनों की हिरासत को जन सुरक्षा कानून के तहत 30 दिन के लिए और बढ़ा दिया है. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डॉ. उज्ज्मा खान पिछले एक महीने से अधिक समय से लाहौर की कोट लखपत जेल में पंजाब सार्वजनिक व्यवस्था अध्यादेश, 1960 के तहत हिरासत में हैं. अलीमा खान को 20 सितंबर को हिरासत में लिया गया था, जबकि उज्ज्मा और नोरीन को अगले दिन हिरासत में लिया गया. यह कार्रवाई जेल में बंद पाकिस्तान वहीकर-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के समर्थन में लोगों को जुटाने की कोशिशों के दौरान की गई थी. पंजाब के एक सहायक महाधिवक्ता ने सोमवार को लाहौर हाईकोर्ट को बताया कि लाहौर के उपायुक्त की सिफारिश पर सरकार ने खान की तीनों बहनों की हिरासत 30 दिन के लिए और बढ़ा दी है. इसके बाद अदालत ने तीनों बहनों की रिहाई की मांग वाली याचिका का निपटारा कर दिया. यह याचिका अलीमा खान के बेटे शहरंजय ने दायर की थी.

जयपुर में युवक से 3.45 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद

जयपुर: जयपुर में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 3.45 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद किए, जो इन्हें पंचायती राज चुनाव और त्योहारों के दौरान बाजार में खपाना चाहता था. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि विशेष आयुक्तालय टीम (सीएसटी) ने सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शाहवाज खान के कब्जे से 3.45 लाख रुपये मूल्य की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की. उन्होंने कहा कि आरोपी के पास कुल तीन लाख 45 हजार रुपये मूल्य के 500 रुपये के नकली नोट मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. विशेष पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि शाहनवाज (33) नकली नोटों की खेप को पंचायती राज चुनाव और आगामी त्योहारों के दौरान बाजार में खपाने की तैयारी में था.

जामिया में 21 साल बाद होंगे छात्र संघ चुनाव, भूख हड़ताल के बीच प्रशासन झुका

नई दिल्ली: जामिया मिड्रिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर चल रही भूख हड़ताल और विरोध प्रदर्शन के बीच विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को बड़ा फैसला लिया. प्रशासन ने छात्र संघ के संविधान को मंजूरी मिलने के 15 दिन के भीतर चुनाव कराने का आदेश जारी किया है. इसके साथ ही प्रदर्शन के दौरान छात्रों को जारी निलंबन आदेश और कारण बताओ नोटिस वापस लेने तथा सूरक्षा कर्मियों के आचरण की जांच के लिए समिति गठित करने का फैसला किया गया है. विश्वविद्यालय के इस आदेश से करीब दो दशक से लंबित छात्र संघ चुनाव कराने की मांग पर आगे बढ़ने का रास्ता खुला है. हालांकि, चुनाव की निश्चित तारीख अभी घोषित नहीं की गई है. विश्वविद्यालय के कुलसचिव मोहम्मद महताब आलम रिजवी की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, जामिया मिड्रिया इस्लामिया छात्र संघ (जेएमआईएसयू) के चुनाव संविधान को मंजूरी मिलने की तारीख से 15 दिन बाद कराए जाएंगे. छात्र संघ चुनाव वर्ष 2006 से नहीं हुए हैं. इन्हें बहाल करने की मांग को लेकर परिसर में करीब दो सप्ताह से विरोध प्रदर्शन चल रहा था. चार छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे. प्रदर्शनकारी छात्र चुनाव कराने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम घोषित करने और चुनाव प्रक्रिया में छात्र प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग कर रहे थे.

30 करोड़ रु की साइबर ठगी से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने 30 करोड़ रुपये से अधिक के बैंकिंग लेन-देन से जुड़े साइबर ठगी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है. उत्तर दिल्ली की पुलिस उपायुक्त (डोसीपी) निहारिका भट्ट ने सोमवार को बताया कि आरोपी फर्जी कंपनियों के नाम पर खोले गए बैंक खाते साइबर अपराधियों को मुहैया कराते थे. उन्होंने बताया कि यह गिरोह दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा की शिकायत की जांच के दौरान सामने आया, जिससे ऑनलाइन एक कुर्ती खरीदने के दौरान 6,450 रुपये की ठगी की गई थी. भट्ट ने कहा कि चार सितंबर को एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद टीम ने लेनदेन की जांच की तो पता चला कि पैसा ग्रेटर नोएडा में एक निजी कंपनी से जुड़े एक बैंक खाते में गया है. अधिकारी ने कहा कि 16 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा में समन्वित छापेमारी के दौरान छह आरोपियों आदित्य मिश्रा (23), आयुष वर्मा (22), अभिषेक पाल (23), हिमांशु राणा (29), राहुल कुमार (30) और गौरव पांडे (24) को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने बताया कि उदित प्रताप सिंह धीरारिया (22) को 21 अक्टूबर को कानपुर से गिरफ्तार किया गया, जिससे कुल गिरफ्तारियों की संख्या सात हो गई.

सर्बिया में बड़ा सियासी उलटफेर, वुचिच ने छात्र नेतृत्व वाले आंदोलन के सामने हार मानी

बेलग्रेड: सर्बिया के लंबे समय से सत्ता में काबिज नेता अलेक्जेंडर वुचिच ने रविवार को चुनाव में हार स्वीकार कर ली, जिसमें उनकी दक्षिणपंथी पार्टी का मुकाबला छात्रों के नेतृत्व वाले व्यापक विपक्षी आंदोलन से था. इस आंदोलन से जुड़े लोग दो साल से उनकी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे. इस बाल्कन देश में यह नतीजा एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत है. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समर्थन वाले वुचिच 14 वर्षों से लगभग पूर्ण सत्ता के साथ देश पर शासन कर रहे थे. उन्होंने छात्र आंदोलन को उन्हें सत्ता से हटाने की विदेशी ताकतों की साजिश करार दिया था. सर्बिया में 64 लाख मतदाता 250 सदस्यीय संसद के लिए प्रतिनिधि चुन रहे थे. चुनाव में हार स्वीकार करते हुए वुचिच ने कहा कि उनकी पार्टी के अनुमान के मुताबिक, युवाओं के समर्थन वाली विपक्षी 'स्टूडेंट्स लिस्ट' को 135 से 140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उनकी एसएनएस पार्टी को करीब 105 सीटें मिलने की उम्मीद है.

देश/विदेश

अखिलेश जी, आपको बांग्लादेशी घुसपैठियों से इतना प्यार क्यों : योगी आदित्यनाथ

कानपुर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा, अखिलेश जी, आपको बांग्लादेशी घुसपैठियों से इतना प्यार क्यों है. उन्होंने कहा कि भगवान राम और निषादराज की मित्रता चली तो राक्षसराज का अंत हुआ और यह मित्रता जब तक रहेगी, तब तक सपा और कांग्रेस के राज का स्वाहा होना तय है. मुख्यमंत्री कानपुर में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर बिल्हौर और बिदूर विधानसभा क्षेत्रों की 411 करोड़ रुपये से अधिक की 48 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के हाल के बयान की ओर संकेत करते हुए कहा, इस समय देश में दो 'मियां' हैं, एक छोटे मियां, एक बड़े मियां.. सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, छोटे मियां को घुसपैठियों से बड़ा प्यार है. ये बांग्लादेशी



घुसपैठियों को गले लगाते हैं और दलितों, वंचितों, गरीबों, किसानों, युवाओं का अपमान करते हैं. सपा प्रमुख से सवाल करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, मैं पूछना चाहता हूं अखिलेश जी, आपको बांग्लादेशी घुसपैठियों से इतना प्यार क्यों है? मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, बांग्लादेशी-पाकिस्तानी घुसपैठिए यहां गरीबों का हक छीनने का काम

करते हैं. आप और आपकी पार्टी ने एसआईआर (मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण) में जबरन उनका नाम डलवाकर यहां के गरीबों का हक लूटने का कार्य किया है और लगातार इस प्रकार की शरारत कर रहे हैं. उन्होंने कहा, जब घुसपैठिया आता है तो यही लोग उसका राशन (काई) बनवाते हैं और गरीब का राशन उस तक पहुंचाते हैं. 2017 से

हनीट्रैप में फंसा सेना का रिटायर्ड कैप्टन गिरफ्तार



बेळौर: तमिलनाडु के बेळौर से सेना के एक 52 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है. बताया जा रहा है उसने हनी-ट्रैप में फंसकर सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारीयां एक विदेशी महिला को दे रहा था. आरोपी बाबू (52) बेळौर जिले के कनियामबाडी के पास कीझवल्लम गांव का रहने वाला है, जो 28 वर्षों तक भारतीय सेना में कार्यरत थे. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, करीब एक साल पहले एक अज्ञात महिला ने व्हाट्सएप के जरिए बाबू से संपर्क किया था. इसके बाद बाबू हनी-ट्रैप में फंसकर सुरक्षा से जुड़ी जानकारीयां लीक कर रहा था. यहां तक कि जो सेना के दफ्तरों में संपर्क कर जुटता और आगे भेज देता था. जानाकारी के अनुसार, विदेशी महिला पहले व्हाट्सएप के जरिए अप्पली चैट के जरिए बाबू के क्लोज लगी और फिर भारतीय सेना से जुड़ी जानकारी मांगनी शुरू कर दी.

यूट्यूब देखकर हथियार बनाना सीखा और खड़ा कर दिया मिनी गन फैक्ट्री का कारोबार, अब बेटे के साथ गिरफ्तार



मोतिहारी: बिहार की मोतिहारी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. रघुनाथपुर थाना क्षेत्र की गंडक कॉलोनी स्थित एक आवास पर छापेमारी कर पुलिस ने कथित मिनी गन फैक्ट्री का उद्देदन किया है. कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में कट्टा-हथियार और कारतूस के साथ पिता और पुत्र को गिरफ्तार किया गया है. पूछताछ में पता चला है कि आरोपी हेरन्द्र शर्मा ने यूट्यूब के माध्यम से हथियार बनाना सीखा है. असल में 25 अक्टूबर 2026 को तुरकौलिया थानाध्यक्ष रंजीत कुमार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो मिला था. वीडियो में एक व्यक्ति विश्वकर्मा पूजा के दौरान हथियार के साथ पूजा करता हुआ दिखाई दे रहा था. वीडियो की जांच और सत्यापन के दौरान व्यक्ति की पहचान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर घरबारी टोला निवासी हेरन्द्र शर्मा के रूप में हुई.

आरोपी हेरन्द्र शर्मा वर्तमान में रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के गंडक कॉलोनी में अपना मकान बनाकर रह रहा था. मामले की जानकारी वरीय पुलिस पदाधिकारियों को दी गई. इसके बाद सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार को सूचना देते हुए मामले के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस टीम गठित की गई.

निर्देश मिलने के बाद पुलिस टीम ने रघुनाथपुर स्थित गंडक कॉलोनी के आवास पर छापेमारी की. तलाशी के दौरान पुलिस को हथियार और उसके

निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण मिले. बरामद सामान में दो लोहे के देसी कट्टे, तीन अर्द्धनिर्मित कट्टे और कारबाइन जैसा एक अर्द्धनिर्मित हथियार शामिल है. इसके अलावे पांच जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए, जिन पर 8 एमएम केएफ लिखा हुआ है. सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके से एक चाकू, लकड़ी के बेंट वाली दो हथौड़ीयां, एक बड़ा प्लास, एक लोहे की कटर मशीन और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं. इन बरामद वस्तुओं के आधार पर पुलिस अवैध हथियार निर्माण की आशंका को लेकर जांच कर रही है. इस मामले में पुलिस ने 41 वर्षीय हेरन्द्र शर्मा और उसके 21 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि यूट्यूब के माध्यम से ये लोग हथियार बनाना सीख रहे थे. उन्होंने कहा कि फिलहाल बरामद हथियारों के स्रोत, उनके निर्माण में अन्य लोगों की संलिप्तता और अवैध हथियारों की आपूर्ति से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है. जांच पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा.

शिक्षक भर्ती मामले : आरक्षण घोटाले के अभ्यर्थियों का शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर प्रदर्शन, सुंदरकांड का किया पाठ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में हुई 68, 500 सहायक अध्यापक भर्ती-2018 में आरक्षण विसंगति पर न्याय की मांग को लेकर पिछले 56 दिनों से लगातार धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने सोमवार को बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर प्रदर्शन किया. सुबह 11 बजे एकत्रित हुए अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों को लेकर धरना शुरू किया. और वाल्मीकि जयंती के अवसर पर अभ्यर्थियों ने राम दरबार स्थापित कर सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ कर दिया. इसी दौरान पुलिस प्रशासन ने अभ्यर्थियों को खींचकर बसों में बैठाया और लखनऊ के ईको गार्डन भेज दिया. आंदोलन का नेतृत्व कर रहे तूफान सिंह और आशुतोष वर्मा ने कहा कि अभ्यर्थी पिछले 55 दिनों से राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से जारी आदेशों के अनुपालन की मांग कर



रहे हैं. उनकी प्रमुख मांग है कि ओबीसी वर्ग को आरक्षित श्रेणी का लाभ देते हुए 150 में से 60 अंक (40 प्रतिशत) के आधार पर परिणाम संशोधित किया जाए और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जाए. साथ ही, आरक्षण विसंगति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए. तूफान सिंह ने बताया कि वे कई बार बेसिक शिक्षा मंत्री, प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्रियों और विभिन्न जनप्रतिनिधियों से मिलकर अपना पक्ष रख चुके हैं,

रोजगार देने वाले उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन

बंगाल की नई उद्योग नीति में भूमि और बिजली पर रहेगा जोर

कोलकाता: बंगाल में औद्योगिक निवेश को गति देने के लिए राज्य सरकार की नई उद्योग नीति से बड़ी उम्मीदें जुड़ी हैं. सरकार इस बार केवल कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित करने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि प्रोत्साहन राशि को रोजगार सृजन से जोड़ने, जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सरल बनाने और औद्योगिक मंजूरियों में होने वाली देरी दूर करने पर जोर दे रही है. मुख्यमंत्री शुभेन्द्र अधिकारी ने 14 अक्टूबर को हल्दिया में नई उद्योग नीति और प्रोत्साहन नीति दिवाली से पहले लाने की घोषणा की थी. मंत्रियों के समूह ने नीति का मसौदा मंजूर कर लिया है, लेकिन अंतिम प्रावधानों और उनके लागू होने की स्थिति पर केबिनेट की मंजूरी के बाद ही तत्त्वीर स्पष्ट होगी. नई नीति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए जमीन, बिजली की लागत, सरकारी मंजूरीयाँ और पुराने औद्योगिक प्रोत्साहनों से जुड़े सबाल लंबे समय से उठते रहे हैं. सरकार की कोशिश है कि इन मुद्दों पर स्पष्ट नियम बनाकर निवेशकों को भरोसेमंद व्यवस्था दी जाए.

प्रस्तावित नीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उद्योगों को मिलने वाली सुविधाओं को रोजगार सृजन से जोड़ना है. सूत्रों के अनुसार सरकार किसी इकाई में नियुक्त कर्मचारियों की संख्या के आधार पर उसके कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खर्च का एक हिस्सा वहन करने पर विचार कर रही है. अधिक रोजगार देने वाली



इकाइयों को अधिक सहायता मिल सकती है. बिजली शुल्क में छूट और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास में मदद भी संभावित प्रोत्साहनों में शामिल हैं. नीति में राज्य के पिछड़े जिलों में उद्योग लगाने वाली कंपनियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की भी तैयारी बताई गई है. पुरुलिया, झाड़ग्राम, बांकुड़ा, कूचबिहार

तथा उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जैसे जिलों में निवेश बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं. इससे औद्योगिक परिवर्धियों को कोलकाता, हावड़ा और हल्दिया जैसे पारंपरिक केंद्रों से आगे फैलाने में मदद मिल सकती है. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई)

को भी नीति में महत्वपूर्ण स्थान मिलने की उम्मीद है. छोटे उद्योग बड़े कारखानों की तुलना में कम पूंजी में रोजगार पैदा कर सकते हैं और स्थानीय आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाते हैं. इसलिए वित्तीय सहायता, समय पर भुगतान, आसान ऋण और बाजार तक पहुंच जैसे विषय भी नीति की प्रभावशीलता तय करेंगे. नई उद्योग नीति के साथ औद्योगिक भूमि की पारदर्शी व्यवस्था सरकार की दूसरी बड़ी प्राथमिकता है. प्रस्तावित माडल में सीधे जमीन खरीदने और भूमि पूर्णिक के विकल्पों पर जोर है. भूमि पूर्णिक के तहत जमीन मालिकों की भागीदारी से औद्योगिक विकास के लिए जमीन उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाई जा सकती है. सरकार का कहना है कि निवेशकों और जमीन मालिकों, दोनों के हितों की रक्षा करते हुए औद्योगिक परियोजनाओं का रास्ता आसान किया जाएगा. इसके साथ एकल खिड़की व्यवस्था के जरिये विभिन्न विभागों की मंजूरीयाँ एक ही प्रणाली से उपलब्ध कराने की योजना भी महत्वपूर्ण है. अग्रिशमन, वन विभाग और भूमि के उपयोग में बदलाव जैसी स्वीकृतियों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ने से परियोजनाओं में देरी होती है. यदि समयबद्ध मंजूरी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है, तो निवेशकों के लिए परियोजना शुरू करना आसान हो सकता है. लेकिन प्रोत्साहन नीति के सामने वित्तीय चुनौती भी है.

'सम्यक संवाद' पत्रिका का विमोचन, 14वीं वार्षिक आम सभा संपन्न, नई समिति का गठन



युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कोलकाता कुशवाहा कल्याण संघ की 14वीं वार्षिक आम सभा (AGM) रविवार को सुवर्णबणिक समाज हॉल, 47 गणेश चंद्र एवेन्यू, चांदनी चौक, बोबाजार, कोलकाता में संपन्न हुई. इस अवसर पर सामाजिक एकता, समतामूलक समाज के निर्माण, महापुरुषों के विचारों के प्रचार-प्रसार तथा संगठनात्मक मजबूती पर विशेष जोर दिया गया. सभा के माध्यम से संघ की नई समिति का भी गठन किया गया. इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने तथागत बुद्ध के शांति, करुणा, मैत्री और समानता के संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया. इस अवसर पर अतिथियों द्वारा 'सम्यक संवाद' पत्रिका के नए अंक का विमोचन भी किया गया. पत्रिका को सामाजिक, वैचारिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया. समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य

अतिथि एवं मुख्य वक्ता संजय शान ने कहा कि महापुरुषों के विचारों और आदर्शों को अपनाकर समाज में शिक्षा, जागरूकता, सामाजिक समानता और आपसी सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है. समाज के सर्वांगीण विकास के लिए संगठित प्रयास, वैचारिक जागरूकता और नई पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है. फिल्म 'द इंडियन लेनिन बाबू जगदेव' के निर्देशक एवं सम्मानित अतिथि प्रेम कुमार विद्यार्थी ने कहा कि फिल्म के माध्यम से जगदेव बाबू के विचारों, संघर्षों और संदेशों को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प पूरा किया जा रहा है. उन्होंने महापुरुषों के जीवन और विचारों को जनमानस तक पहुंचाने में सिनेमा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला. वार्षिक आम सभा में तिलुआ, कुल्दी, आसनसोल, बर्नपुर, दुर्गापुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों के साथ संगठन की गतिविधियों, सामाजिक एकजुटता और भविष्य

की योजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ. 'द इंडियन लेनिन बाबू जगदेव फिल्म का प्रदर्शन': कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 'द इंडियन लेनिन बाबू जगदेव' फिल्म का प्रदर्शन रहा. फिल्म की प्रस्तुति को उपस्थित प्रतिनिधियों ने सराहा. फिल्म के माध्यम से जगदेव बाबू के जीवन, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन के संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के प्रयास की प्रशंसा की गई. नवगठित समिति में उमेश सिंह (अध्यक्ष), डॉ. अरुण कुमार राज (कार्यकारी अध्यक्ष), बिन्दा लाल सिंह (उपाध्यक्ष), अशोक कुमार सिंह (उपाध्यक्ष), रामा शंकर सिंह (सचिव), ए के भगत (कोषाध्यक्ष), विवेक चंदन, चन्द्र कांत सिंह, कन्हैया प्रसाद, आदित्य उदय सिंह, श्रवण सिंह, देवनाथ सिंह, तारकेश्वर प्रसाद हैं. कार्यक्रम सामाजिक एकता, वैचारिक जागरूकता और संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण के संकल्प के साथ संपन्न हुआ.

लक्ष्मी पूजा के शुभ अवसर पर तालबागान फ्रेंड्स एसोसिएशन ने किया जरूरतमंदों के बीच वस्त्र वितरण



युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता (कसबा): लक्ष्मी पूजा के पावन अवसर पर तालबागान फ्रेंड्स एसोसिएशन की ओर से जरूरतमंद लोगों के बीच साड़ी एवं वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस सामाजिक सेवा कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता की गई. कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों एवं संस्था के सदस्यों ने उपस्थित होकर अपना सहयोग प्रदान किया. इस अवसर पर कसबा के विशिष्ट व्यक्तियों में अधिवक्ता श्री कृष्ण कुमार जालान, डॉ. ललित, डॉ. एस. बी. तिवारी, श्री सुब्रत दत्ता, भारत क्षत्रिय समाज के उपाध्यक्ष श्री कपिल देव सिंह, श्री राजेश सिंह, पितर मजिस्टर पंडित एवं श्री बृजेश सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे.

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सचिव श्री विद्युत विकास बनर्जी, श्री मनोज सिंह, श्री लालबाबू गुप्ता, श्री विनय सिंह, श्री अलख साव, श्री विनोद सिंह, श्री हरिहर दयाल सिंह, श्री प्रह्लाद सिंह एवं संस्था के सदस्य श्री सौरभ सिंह की सक्रिय भूमिका रही. संस्था के कोषाध्यक्ष श्री अमरेंद्र सिंह का योगदान भी सराहनीय रहा. सभी सदस्यों ने मिलकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया और समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का संदेश दिया. तालबागान फ्रेंड्स एसोसिएशन सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है. लक्ष्मी पूजा के शुभ अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता का प्रेरणादायक उदाहरण बना.

प्रेम प्रसंग के चलते युवक और उसके पिता को निर्वस्त्र कर घुमाया, तीन लोग गिरफ्तार

कोलकाता: कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. प्रेम प्रसंग की वजह से एक शख्स और उसके पिता को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने का मामला सामने आया है. यह घटना सरसुना थाना क्षेत्र के बसुंधरा पार्क इलाके में हुई. इस घटना के बाद वहां भारी तनाव फैल गया और लोगों में काफी आक्रोश है. कोलकाता पुलिस ने सोमवार को बताया कि मामले में युवती के पिता और चाचा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के अनुसार, युवती बेहाला इलाके के सरसुना के रहने वाले एक युवक के साथ रिश्ते में थी. बताया जा रहा है कि युवती के परिवार वाले शुरू से ही इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे. रविवार को जब युवती के रिश्तेदारों ने दोनों को एक साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया, तो यह विवाद हिंसक हो गया.



आरोप है कि युवती के पिता और चाचा ने युवक को घर के अंदर बंद कर दिया और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की. इसके बाद युवक के पिता को भी मौके पर बुला लिया गया. इस मामले में सबसे हैरान कर देने वाली बात तो यह रही कि युवती के परिजनों ने युवक के पिता को बंदूक देकर बेटे को गोली मारने के लिए कहा. पुलिस के मुताबिक, परिवार ने युवक के सामने दो विकल्प रखे थे, या तो उन्हें मौत का सामना करना पड़ेगा या फिर सड़क पर निर्वस्त्र होकर चलना पड़ेगा. इसके बाद युवक और उसके पिता को

सबके सामने निर्वस्त्र होकर चलने के लिए मजबूर किया गया. बताया जा रहा है कि युवक के एक दोस्त के साथ भी मारपीट की गई और उसे भी इसी तरह अपमानित किया गया. कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, युवक के परिवार की शिकायत के आधार पर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. आज उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा.

पुलिस आगे की पूछताछ के लिए उनकी कस्टडी की मांग करेगी. इस घटना से स्थानीय लोग स्तब्ध और गुस्से में हैं. मारपीट और सार्वजनिक अपमान की खबर फैलते ही वहां भीड़ जमा हो गई और लोगों ने युवती के घर में तोड़फोड़ की. घटना की सूचना मिलने पर सरसुना पुलिस मौके पर पहुंची. तनाव बढ़ने पर युवती के पिता और परिवार के अन्य सदस्य वहां से फरार हो गए. हालांकि, भीड़ ने उसके चाचा को पकड़ लिया, उसके साथ मारपीट की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया. इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रविवार देर रात युवती के पिता और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि युवती का परिवार पहले स्थानीय टीएमसी नेताओं के काफी करीब था. उनका कहना है कि इसी वजह से उनमें कथित तौर पर अहंकार आ गया था. उन्होंने इस मामले के आरोपियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की. इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, सामाजिक कार्यकर्ता शश्वती घोष ने घटना को अंजाम देने वालों और वहां मौजूद चश्मदीनों, दोनों के बर्ताव पर सवाल उठाए. घोष ने कहा, जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया, वे मानसिक रूप से असंतुलित हैं. जो लोग वहां मौजूद थे, क्या उन्हें इसमें मजा आ रहा था? या फिर उन्होंने इसका विरोध किया? इस बात की भी जांच होनी चाहिए.

कांग्रेस अब राजनीतिक दल नहीं, परजीवी बन गई है : शमिक भट्टाचार्य

कोलकाता: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मडिकरुनू खडगे की टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला. उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस राजनीतिक रूप से

बेहद पतन की स्थिति में पहुंच गई है. सोमवार को कोलकाता में इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी से साबित होता है कि कांग्रेस राजनीतिक रूप से कितनी छोटी हो गई है. उन्होंने दावा कि कांग्रेस अब राजनीतिक दल नहीं,



बल्कि परजीवी बन गई है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताते हुए शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि इससे पहले भी कांग्रेस ने मोदी जी पर 'मौत का सौदागर' कहकर हमला किया था. उस समय देश की जनता ने मतदान के माध्यम से कांग्रेस को

करारा जवाब दिया था. उन्होंने आगे कहा कि अब एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिता को बीच में लाकर जिस तरह की अपमानजनक टिप्पणी की जा रही है, उसका भी उचित जवाब आने वाले दिनों में भारत की जनता ही कांग्रेस को देगी.

महाराष्ट्र की मतदाता सूची से नाम हटाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को जारी किया नोटिस



नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिका पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई), केंद्र सरकार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया. याचिका में मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाए जाने का आरोप लगाया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने आपत्तियां और दावे दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने या अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन को रोकने के संबंध में तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया. सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जय्यामात्या बांगी और वी. मोहना की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 5 नवंबर को तय की. अरुण आनंदगिरि ने याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने मतदाता सूची के मसौदे से नाम हटाए जाने और अपना नाम दोबारा दर्ज कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया पर सवाल उठाया था. याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पी. दातार ने बताया कि महाराष्ट्र के लगभग नौ करोड़ मतदाताओं में से लगभग 33

प्रतिशत यानी लगभग तीन करोड़ लोगों के नाम, मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन के बाद मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि 1.22 करोड़ मतदाताओं के नाम तार्किक विरंगति के आधार पर हटाए गए हैं. दातार ने तर्क दिया कि जिन मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, उनसे फॉर्म 6 जमा करने के लिए कहा जा रहा है, जो नए मतदाता पंजीकरण के लिए है, जबकि वे पिछले चुनावों में मतदान कर चुके हैं. उन्होंने तर्क दिया कि मौजूदा मतदाताओं को फॉर्म भरने के लिए बाध्य करने से उन पर बूढ़ी घोषणा करने का आरोप लग सकता है, क्योंकि आवेदकों को यह बताना आवश्यक है कि वे पहले मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं थे. वरिष्ठ अधिवक्ता ने दिल्ली उच्च न्यायालय के हालिया आदेश का हवाला देते हुए कहा कि अभियोजन से बचाव का आश्वासन मूल समस्या था. याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पी. दातार ने बताया कि महाराष्ट्र के लगभग नौ करोड़ मतदाताओं में से लगभग 33

मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे. उनके लिए एक अलग फॉर्म जारी किया जाए. सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील को आश्वासन दिया, किसी पर भी मुकदमा नहीं चलाया जाएगा. दातार ने सोमवार को समाप्त होने वाली दावा और आपत्तियां दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की और अनुरोध किया कि इस मामले के निपटारे तक चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अंतिम रूप देने से रोक जाए. उन्होंने तर्क दिया कि महाराष्ट्र में तत्कालीन चुनाव नहीं है जिसके लिए मौजूदा समय सारिणी के अनुसार मतदाता सूची को अंतिम रूप देना आवश्यक हो. हालांकि, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ चुनाव आयोग की बात सुने बिना एकतरफा आदेश पारित करने के लिए अनिच्छुक थी. पीठ ने कहा कि संकेत दिया कि परिस्थितियों की जांच के बाद उचित निर्देश दिए जा सकते हैं. महाराष्ट्र के लिए संशोधित समय सारिणी के अनुसार, मतदाता सूची का मसौदा 31 अगस्त को प्रकाशित किया गया, जबकि दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 26 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई. दावों और आपत्तियों का निपटारा 10 नवंबर तक जारी रहेगा और अंतिम मतदाता सूची 16 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी.